संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 93
पृष्ठ 8
शनिवार
21 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– शरीर में दिखे ये लक्षण ....

विचार– अंबेडकर के प्रति नफरत....

खेल– भारत ने वेस्टइंडीज को ....

सनातन धर्म सुरक्षित तो दुनिया में सब कोई सुरक्षित : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्या धाम के अशर्फी भवन आश्रम में आयोजित भव्य अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ और पंच नारायण महायज्ञ में भाग लिया। सीएम योगी ने महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म ही भारत का राष्ट्रीय धर्म है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और शांति का प्रसार होता है। ऐतिहासिक मंदिरों पर आक्रमण की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग इन पवित्र स्थलों को नष्ट करने का काम करते थे, उनका कुल और वंश नष्ट हो गया। औरंगजेब के परिवार के लोग आज रिक्शा चला रहे हैं। यह उनकी दुर्गति है। अगर उन्होंने पुण्य किए होते और मंदिरों को न तोड़ा होता, तो क्या उनकी ऐसी स्थिति होती?

विश्व शांति की स्थापना केवल सनातन धर्म के माध्यम से हो सकती है। यह शाश्वत धर्म है, जो सृष्टि के आरंभ से ही चला आ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि विरासत और विकास के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने अयोध्या में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या के वैभव को पुनः स्थापित करने का कार्य किया है। रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण और अयोध्या धाम का विकास इसका जीवंत उदाहरण है। यह यज्ञ न केवल आत्मशुद्धि और पर्यावरण शुद्धि का माध्यम है, बल्कि यह सनातन धर्म की रक्षा और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार भी करता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मां सरयू के पवित्र अंचल और भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर हो रहा है, जो इस यज्ञ को और भी विशेष बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि जिन गलतियों की वजह से भारत को गुलामी की बेड़ियां झेलनी पड़ीं और हमारे धर्म स्थलों का अपमान हुआ, उन्हें दोबारा नहीं दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने भारतवासियों से सनातन धर्म की रक्षा और संरक्षण के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि अगर विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म का सम्मान करना होगा। यह धर्म सभी के कल्याण की बात करता है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम का संदर्भ देते हुए कहा कि यह केवल सनातन धर्म है, जिसने हर जाति और मजहब के लोगों को विपत्ति के समय शरण दी है। सीएम योगी ने कहा कि भारत तब तक भारत है जब तक यहां सनातन धर्म सुरक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस धर्म के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। युगों–युगों से सनातन धर्म ने सृष्टि के साथ तालमेल बनाकर खुद को जीवंत बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसे किसी भी प्रकार की विकृतियों या विसंगतियों से बचाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा। भारत तब तक भारत है जब तक भारत के अंदर सनातन धर्म सुरक्षित है। इसकी रक्षा के लिए इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर के कार्य करना होगा। यह एक शाश्वत धर्म है, सृष्टि के साथ चला हुआ धर्म है हो सकता है कि किसी कालखंड में कुछ विसंगतियां आई हो लेकिन, विसंगती का परिमार्जन भी हमारे ऋषि मुनि संतो के माध्यम से समय–समय पर महापुरुषों के द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए हम करेंगे।

जयपुर में गैस टैंकर में आग लगने से 9 लोगों की मौत, 35 झुलसे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर में अजमेर–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकरोटा के समीप शुक्रवार सुबह एक गैस टैंकर में आग लगने के बाद उसके फैल जाने से 50 से अधिक लोग चपेट में आ गए। इनमें से 9 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। एसएमएस अस्पताल प्रशासन की ओर जारी किए गए बुलेटिन में बताया गया है कि अस्पताल में कुल 43 मरीज पहुंचे थे। अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है, फिलहाल 28 मरीजों का इलाज चल रहा है। अजमेर रोड स्थित भांकरोटा के पास एक पेट्रोल पंप के समीप एक एलपीजी गैस से भरे टैंकर में अचानक भीषण आग लग गई और धमाका भी हुआ। इस दौरान आस पास के कई वाहन भी आग की चपेट में आ गए। मौके पर अफरातफरी मच गई और क्षेत्र में दहशत फैल गई। शुरुआती दौर में 4 लोगों की मौत की सूचना सामने आई इसके बाद यह आंकडा बढकर 8 पहुंच गया। करीब 40 वाहनों के आग की चपेट में आ गए। चिकित्सा सचिव अम्बरीष कुमार के अनुसार हादसे में झुलसे 39 लोगों को इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में लाया गया। इनमें चार लोगों की मौत हो गई और 35 घायलों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि घायलों में आधे लोग गंभीर रुप से झुलसे हुए हैं। घायलों की पहचान करके उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। उन्होंने बताया कि एक नया वार्ड तैयार किया गया था उसमें भी घायलों का इलाज किया जा रहा है। जयपुर के भांकरोटा इलाके में सुबह 5.00 बजे हुए इस हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तुरंत दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत और बचाव कार्य के लिए दौड़ पड़ीं। आग इतनी वीभत्स थी कि फायर डिपार्टमेंट की कई गाड़ियां कई घंटों तक इसे बुझाने में लगी रहीं, जो लोग भाग कर जान बचा सके, वह खुशकिस्मत थे। हालांकि, छह लोगों को अपनी जान बचाने का मौका नहीं मिल सका। कई लोग गाड़ियों से बाहर भी नहीं आ सके थे। भीषण अग्निकांड के बाद अजमेर रोड पर लगे जाम को देखते हुए ट्रैफिक को डाइवर्ट किया गया है। सीकर रोड नंबर 14 ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। ट्रैफिक डाइवर्ट होने से यहां भारी वाहनों की लगी लंबी लाइनें लग गई है। हादसे का पता चलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एसएमएस अस्पताल पहुंचे और घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने घायलों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। शर्मा ने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने घटना पर गहरा शोक जताया हैं। बागडे ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। हादसे के बाद वाहनों एवं अन्य में लगी आग को बुझाने के लिए कई दमकल गाड़ियों के बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। भंकरोटा के समीप हुए अग्निकांड में मारे गए लोगों के परिजनों और घायलों को सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनहानि अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। अथाह शोक की इस घड़ी में हमारी सरकार की ओर से मृतकों के परिवार को 5–5 लाख रुपए तथा घायलों को 1–1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा घायलों के समुचित उपचार के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।

सांसदों से जनता के विश्वास और अपेक्षाओं का सम्मान करने की धनखड़ की अपील

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सांसदों से जनता के विश्वास और अपेक्षाओं का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि दुनिया हमारे लोकतंत्र को देखती है, फिर भी हम अपने आचरण से अपने नागरिकों को निराश करते हैं। ये संसदीय व्यवधान जनता के विश्वास और अपेक्षाओं का मज़ाक उड़ाते हैं। श्री धनखड़ ने सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद विपक्ष विशेषकर कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करने से पहले सांसदों से जवाबदेही और आत्मनिरीक्षण का आह्वान भी किया। उन्होंने सदन में व्यवधान के बीच संसदीय कार्यवाही की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा,"माननीय सदस्यों, दुनिया हमारे लोकतंत्र को देखती है, फिर भी हम अपने आचरण से अपने नागरिकों को निराश करते हैं। ये संसदीय व्यवधान जनता के विश्वास और अपेक्षाओं का मज़ाक उड़ाते हैं। परिश्रम के साथ सेवा करने का हमारा मौलिक कर्तव्य उपेक्षित है। जहाँ तर्कसंगत संवाद होना चाहिए, वहाँ हम केवल अराजकता देखते हैं। मैं प्रत्येक सांसद से, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, अपने विवेक की जाँच करने का आग्रह करता हूँ।" उन्होंने कहा, " हमारे लोकतंत्र के नागरिक – मानवता का छठा हिस्सा – इस तमाशे से बेहतर के हकदार हैं। हम उन बहुमूल्य अवसरों को बर्बाद कर देते हैं, जो हमारे लोगों की भलाई के लिए काम आ सकते थे। मुझे उम्मीद है कि सदस्य गहराई से आत्मनिरीक्षण करेंगे, और नागरिक अपनी जवाबदेही का प्रयोग करेंगे। ये पवित्र सदन ऐसे आचरण के हकदार हैं जो हमारी शपथ का सम्मान करते हैं, न कि ऐसे नाटक जो इसे धोखा देते हैं।"

बजट सत्र से पहले राहुल समेत विपक्षी नेताओं से मिलेंगे रिजिजू

नयी दिल्ली, एजेंसी। संसद का शीतकालीन सत्र शुक्रवार को संपन्न हो गया और इस दौरान हंगामे के कारण दोनों सदनों में कामकाज सुचारू ढंग से नहीं चल पाया तथा लोकसभा एवं राज्यसभा की उत्पादकता क्रमशः केवल 57.87 प्रतिशत और 40.03 प्रतिशत रही। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू, संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल एवं डॉ. एल मुरुगन ने संसद भवन परिसर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद में विपक्षी सदस्यों के हंगामे एवं अमर्यादित व्यवहार के कारण संसद की गरिमा एवं संसद के कामकाज पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा, "विपक्ष द्वारा किए गए हंगामे के कारण संसद की उत्पादकता कम हुई। हमने संसद को चलाने के लिए बहुत प्रयास किए। मैं उम्मीद करता हूं और विपक्ष से अनुरोध भी करता हूं कि वे संसद के बजट सत्र में इस तरह का हंगामा न करें।" श्री रिजिजू ने शीतकालीन सत्र के कामकाज का विवरण देते हुए कहा कि 2024 के शीतकालीन सत्र में लोकसभा में 20 एवं राज्यसभा में 19 बैठकें हुईं हैं। लोकसभा में पांच विधेयक पेश किये गये और राज्यसभा में चार विधेयक पटल पर रखे गये। दोनों सदनों से भारतीय वायुयान विधेयक पारित हो गया है। उन्होंने कहा कि सत्र में भारत के संविधान के निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर 26 नवंबर को सेंट्रल हॉल में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया। इसके बाद गत 13 एवं 14 दिसंबर को लोकसभा में और 16 एवं 17 दिसंबर को राज्यसभा में भारतीय संविधान की 75 वर्ष की यात्रा पर विस्तृत चर्चा करायी गयी।

रक्षा प्रबंधन क्षमता में वृद्धि से रक्षा निर्यात में बढ़ोतरी होगी: मुर्मु

हैदराबाद, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि भारत की रक्षा प्रबंधन क्षमता में वृद्धि से कूटनीतिक और सैन्य साझेदारी मजबूत होगी तथा रक्षा निर्यात में बढ़ोतरी होगी। सुश्री मुर्मु ने सिकंदराबाद में कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम) में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इससे भारत को वैश्विक सुरक्षा मंचों पर सक्रिय रुख बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय रक्षा क्षेत्र में वरिष्ठ रणनीतिक नेतृत्व वैश्विक सुरक्षा खतरों का सक्रियता से जवाब देते हुए भारत को अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि आपके सामूहिक प्रयास और व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार करने में मदद करेगी। हमारे सशस्त्र बलों के कर्मियों को नवीनतम तकनीकी विकास के साथ–साथ बदलती परिचालन गतिशीलता के साथ खुद को अपडेट रखने की आवश्यकता है। ग्रे जोन और हाइब्रिड युद्ध के इस युग में सीडीएम जैसी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।" उन्होंने कहा, "युद्ध के मैदानों से परे भी युद्ध लड़े जाते हैं। आज हम मनोवैज्ञानिक युद्ध देख रहे हैं।" अधिकारियों से समय के साथ निरंतर विकसित होने और तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा , "इस त्रि–सेवा प्रशिक्षण संस्थान को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह अवसर भविष्य के लिए हमारे सशस्त्र बलों के रणनीतिक नेताओं को विकसित करने में रक्षा प्रबंधन कॉलेज की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। मैं पिछले पांच दशकों में इस संस्थान की यात्रा में शामिल सभी लोगों को बधाई देती हूं।" राष्ट्रपति ने कहा कि यह जानकर खुशी हो रही है कि भारतीय अधिकारियों के अलावा, मित्र विदेशी देशों के सैकड़ों वरिष्ठ अधिकारियों को भी वर्षों से यहां प्रशिक्षित किया गया है।

राजस्थान सड़क हादसे में मारे गये लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह हुई दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया और दुर्घटना में मारे गये लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो–दो लाख रुपये और घायलों को 50–50 हजार रूपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। श्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, "राजस्थान में जयपुर–अजमेर हाइवे पर हुए हादसे में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदनाएं! मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं! स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो–दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों को 50–50 हजार रुपये दिए जाएंगे।"

राहुल के खिलाफ झूठी प्राथमिकी : प्रियंका

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी की लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि मोदी सरकार में हताशा बहुत बढ़ गई है और इसीलिए उनके भाई राहुल गांधी के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज की गई है। श्रीमती वाड्रा ने यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि मोदी सरकार बहुत हताश हो चुकी है और इसी का परिणाम है कि श्री गांधी के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज कर ध्यान भटकाना चाहती है लेकिन देश की जनता सबकुछ समझती है। उन्होंने कहा कि राहुल उनका भाई है और वह अच्छी तरह जानती हैं कि वह धक्का मुक्की नहीं कर सकते। उन्होंने कहा "यह सरकार की हताशा है। वे इतने हताश हो गए हैं कि राहुल जी पर झूठी प्राथमिकी दर्ज करा रहे हैं। राहुल जी कभी किसी को धक्का नहीं दे सकते हैं, यह बात मैं और पूरा देश जानता है लेकिन भाजपा उन पर आधारहीन प्राथमिकी दर्ज करा रही है। देश के सामने भाजपा की सच्चाई आ गई है कि वे अडानी पर चर्चा नहीं चाहते, अंबेडकर जी का अपमान करते हैं इसलिए अब देश का ध्यान भटकाना चाह रहे हैं।" श्रीमती वाड्रा ने कहा "बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें हमारा संविधान दिया, हर नागरिक को अधिकार दिया। भाजपा ने जिस तरह उनका अपमान किया है उससे पूरे देश की जनता आहत है। बाबा साहेब का इस तरह से अपमान देश नहीं सहेगा। मोदी सरकार अडानी पर चर्चा से डरती है। अब उन्होंने जो किया है, उनके मन में अंबेडकर जी के प्रति जो असली भावना थी वो सामने आ गई है इसलिए अब वे विपक्ष से डर रहे हैं, क्योंकि अब हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं।" उन्होंने कहा "हमारा संविधान अंबेडकर जी की देन है। उनका अपमान ये हिंदुस्तान नहीं सहेगा। लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है।"

प्रथम शाही स्नान के लिए संतों के बीच कई बार हो चुका है युद्ध, संगम और हरिद्वार में हुआ रक्तपात

प्रयागराज। कुंभ और महाकुंभ में शाही स्नान के लिए कई बार युद्ध हुए हैं। तब कुंभ में प्रथम स्नान के लिए लड़ाई की मुख्य वजह सनातन संस्कृति की पक्षधर सत्ता का नहीं होना था। उस दौर की सरकारों की ओर से कुंभ पर्व के लिए न तो कोई बजट दिया जाता था और ना ही किसी तरह की सुविधा और सुरक्षा। ऐसे में अलग–अलग समूहों के लोग अपनी संगठित शक्ति के आधार पर कुंभ में प्रथम स्नान का दावा करते थे। इसके लिए संगम से लेकर हर की पैड़ी तक कई बार रक्तपात के प्रमाण मिले हैं। कुंभ और महाकुंभ में स्नान क्रम का निर्धारण अखाड़ों की ताकत के आधार पर किया गया है।श्श दशनाम नागा संन्यासीश्श नामक महंत लालपुरी की पुस्तक में कुंभ पर्व के समय प्रथम स्नान के लिए मुगलकाल और फिर ब्रिटिश हुकूमत के समय पांच बड़े युद्धों का उल्लेख मिलता है। श्श्कुंभ पर्वों के स्नान क्रमश्श नामक अध्याय में लालपुरी लिखते हैं कि देश में मुगलों के बाद ब्रिटिश शासन में सनातन संस्कृति को घोर उपेक्षा की दृष्टि से देखा जाता था। सनातन संस्कृति के सबसे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक मेले के तौर पर कुंभ और महाकुंभ के लिए किसी तरह की राजकीय सहायता प्राप्त नहीं होती थी। इस वजह से हर समुदाय के लोग अपनी शक्ति और संगठन के बल पर प्रथम स्नान का प्रयास करते थे। इस वजह से कुंभ में प्रथम स्नान के लिए लड़ाइयां स्वाभाविक थीं। लालपुरी ने कुंभ पर्वों में पांच ऐसे बड़े युद्धों का जिक्र किया है, जो सिर्फ प्रथम स्नान के लिए लड़े गए। मुगल बादशाह जहांगीर के समय प्रयागराज के 1621 के महाकुंभ में प्रथम स्नान के लिए उदासी और वैरागी परंपरा के साधुओं में भीषण लड़ाई हुई। युद्ध की खबर मिलने पर जहांगीर खुद मौके पर पहुंचा, लेकिन साधुओंके बीच लड़ाई का वह तमाशा देखता रहा। उसने अपनी शाही सेना को हस्तक्षेप के लिए निर्देशित तक नहीं किया। इसी तरह दबिस्तान नामक ग्रंथ में 1050 ईस्वी में हरिद्वार कुंभ के समय नागा संन्यासियों और वैरागियों में हुए युद्ध का वर्णन मिलता है। इस पुस्तक में उद्धरण मिलता है कि तब वैरागियों ने अपने प्राणों की रक्षा के लिए तिलक, तुलसी माला छोड़कर कनकटे जोगियों का छद्म वेश धारण कर लिया था। इसी तरह ब्रिटिश सेना के अफसर कैप्टन हार्डविक ने वर्ष 1796 के हरिद्वार कुंभ में स्नान के लिए 14 हजार सिख सैनिकों की ओर से नागा संन्यासियों पर हमला बोलने की बात लिखी है। हार्डविक ने लिखा है कि इस युद्ध में पांच हजार नागा संन्यासी शहीद हुए। इसी तरह 1807 के हरिद्वार कुंभ में प्रथम स्नान के लिए नागा संन्यासियों और वैरागियों के बीच भीषण युद्ध हुआ। इसमें भी जमकर रक्तपात होने से हरकी पैड़ी लाल हो गई थी। इसी तरह उज्जैन के कुंभ में वारागी साधुओं ने बल पूर्वक प्रथम स्नान करने का प्रयास किया था। तब नागाओं के हमले में सैकड़ों वैरागी साधु शहीद हो गए थे । महंत लाल पुरी बताते हैं कि इसी के बाद ब्रिटिश सरकार ने युद्धों के प्रमाणों और ऐतिहासिक विवरणों के आधार पर सभी 13 अखाड़ों के शाही स्नान के क्रम का निर्धारण किया। इसके तहत प्रथम शाही स्नान का अधिकार नागा संन्यासियों को दिया दया। दूसरे स्थान पर वैरागी परंपरा के साधुओं को शाही स्नान करने की व्यवस्था दी गई है। उदासीन परंपरा के अखाड़े तीसरे नंबर पर और अंत में निर्मल अखाड़े के साधु शाही स्नान करते हैं।

'महाकुंभ इंटर्नशिप का पंजीकरण शुरु'

प्रयागराज। नमस्कार फाउंडेशन और राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वरशरण डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में कुंभोत्सव कार्यक्रम के लिए चलने वाले महाकुंभ इंटर्नशिप प्रोग्राम का पोस्टर लांच आज ईश्वरशरण डिग्री कालेज में किया गया।कार्यक्रम का पोस्टर

लांच करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने कहा कि भारतीय समाज की जन जागरूकता हेतु हमारे शैक्षिक केंद्रों की अहम भूमिका रही है इसी भूमिका के निर्वहन के क्रम में महाकुंभ के लिए 21 दिसंबर से 11 जनवरी तक होने वाले इंटर्नशिप प्रोग्राम की संयुक्त मेजबानी करने के लिए ईश्वरशरण डिग्री कालेज तैयार है। कार्यक्रम प्रमुख डा अरविंद कुमार मिश्र ने बताया की नमस्कार फाउंडेशन और एनएसएस ईश्वर शरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस 21 दिवसीय इंटर्नशिप प्रोग्राम का आवेदन कल से गूगल फार्म के माध्यम से किया जाएगा और इस कार्यक्रम के लिए 51 विद्यार्थियों का चयन होना हैं। कार्यक्रम संयोजक उत्कर्ष मिश्रा ने बताया कि इंटर्नशिप प्रोग्राम के दौरान विद्यार्थियों को इवेंट मैनेजमेंट,फोटोग्राफी, ग्राफिक्स डिजाइनिंग, पत्रिका लेखन,वालंटियर वर्किंग और पर्यावरण संरक्षण के दिशा में सीखने को मिलेगा और सर्वश्रेष्ठ पांच वालंटियर को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा।प्रयागराज के जिला संयोजक अनुराग पांडेय ने बताया की नमस्कार फाउंडेशन के स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत तीन जनवरी को महाराणा प्रताप यूथ क्लब राजस्थान की 30 सदस्यीय डेलीगेशन का आगमन भी ईश्वर शरण डिग्री कालेज में होगा और इसी दौरान प्रयागराज के 50 से अधिक विद्यालयो के विद्यार्थियों द्वारा ष्प्लास्टिक मुक्त कुंभष् की संकल्पना के साथ एक मानव श्रृखंला भी बनाया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय इतिहास विभाग में सहायक आचार्य डॉ नरेंद्र कुमार सिंह, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में संकाय सदस्य डॉ गौरव राय और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मो. जुबैर की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, नरसिंहानंद का बयान वायरल करने पर दर्ज हुआ है केस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यति नरसिंहानंद के एक पुराने कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में नामजद पत्रकार जुबैर अहमद की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इस मामले में यूपी सरकार से छह जनवरी तक जवाब तलब किया गया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव की अदालत में हुई। करीब तीन घंटे तक दोनों तरफ से चली बहस को सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाया। यति नरसिंहानंद का भड़काऊ बयान सोशल मीडिया पर वायरल करने पर जुबैर के खिलाफ गाजियाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया है। मोहम्मद जुबैर के खिलाफ गाजियाबाद पुलिस की ओर से विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। बाद में उसमें धारा 152 भारतीय न्याय संहिता (ठछै) भी जोड़ दी गई है। यह धारा भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों को अपराध मानती है। यह मुकदमा यति नरसिंहानंद सरस्वती ट्रस्ट की महासचिव उदिता त्यागी की शिकायत पर दर्ज की गई थी। उदिता त्यागी का दावा है कि जुबैर ने तीन अक्तूबर को नरसिंहानंद के एक पुराने कार्यक्रम की वीडियो क्लिप पोस्ट की थी। उनका आरोप है कि जुबैर का इरादा मुसलमानों को नरसिंहानंद के खिलाफ हिंसा के लिए भड़काना था। मोहम्मद जुबैर ने इस एफआईआर को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

टिफिन में नॉनवेज लाने वाले बच्चों का प्रवेश सीबीएसई स्कूल में कराएं डीएम : हाईकोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने टिफिन में नॉनवेज लाने पर स्कूल से निष्कासित किए गए तीन बच्चों को सीबीएसई के किसी अन्य विद्यालय में दो हफ्ते में प्रवेश कराने के लिए डीएम को निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा कि आदेश का पालन नहीं हुआ तो डीएम व्यक्तिगत रूप से छह जनवरी को उपस्थित होंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ व न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने दाखिल याचिका पर दिया। अमरोहा के एक स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले एक लड़के और उसके दो नाबालिग भाई–बहनों के टिफिन में नॉनवेज लाने पर स्कूल के प्रिंसिपल ने आपत्ति की। सितंबर 2024 को इन बच्चों को स्कूल से निष्कासित कर दिया गया। ये बच्चे केजी, पहली और तीसरी कक्षा में पढ़ रहे थे। इसके खिलाफ बच्चों की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। याची के अधिवक्ता उमर जामिन ने दलील दी कि निष्कासित बच्चे नाबालिग हैं। इस कार्रवाई से बच्चों का शिक्षा का अधिकार प्रभावित हो रहा है। स्कूल के प्रिंसिपल को संकुचित और सांप्रदायिक मानसिकता का नहीं होना चाहिए। एक बच्चे की गलती से दो अन्य बच्चों को स्कूल से निष्कासित करना असांविधानिक है। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद डीएम को दो हफ्ते के अंदर इन बच्चों का दाखिला केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध किसी दूसरे स्कूल में करवाने और एक अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

प्रत्येक व्यक्तिको संतुलित आहार मिलना अत्यंत आवश्यकः डा.जीना

-पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के जीव रसायन विज्ञान विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने रखे विचार

मथुरा। पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के जीव रसायन विज्ञान विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार से प्रारम्भ हुई। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा के जीव रसायन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अनिल कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर श्रीवास्तव ने बताया कि जीव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी का खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में अहम योगदान है। समाज एवं देश में खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने में जीव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पशुओं के विभिन्न उत्पाद जैसे दूध, दही, घी, अंडा, मांस आदि के प्रयोग से शरीर में होने वाली विभिन्न पोषक तत्वों की कमी को पूर्ण कर, हम स्वस्थ मानव शक्ति तथा स्वस्थ समाज के स्थापना कर सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ जेके जीना ने बताया कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को संतुलित आहार मिलना अत्यंत आवश्यक है। जिससे वह व्यक्ति अपने कर्तव्यों का भली बात निर्वहन कर सके। हमारा देश, विश्व में दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है किंतु जनसंख्या के अनुसार प्रति व्यक्ति दुग्ध की उपलब्धता काफी कम है। जिसके लिए अच्छी उत्पादकता वाले पशुओं का होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने बताया की होम्योपैथिक दवाइयां अब पशुओं के इलाज में प्रयोग की जा रही है तथा इसका अच्छा परिणाम भी मिल रहा है। होम्योपैथिक दवाइयां का पशुओं में और अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय जीव रसायन संगठन के अध्यक्ष डॉ. बी. पी. मोहती ने संगठन की संरचना एवं उसके कार्य शैली के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर संगठन के महासचिव डॉक्टर सुभाषिस बतबयाल ने संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न संगोष्ठी एवं क्रियाकलापों की जानकारी दी। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर विकास पाठक, अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय ने बताया कि खाद्यान्नों में पशुधन से प्राप्त होने वाले उत्पादों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पशुधन के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान तथा जैव प्रौद्योगिकी के समुचित प्रयोग से खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। इस अवसर पर प्रोफेसर पंकज कुमार शुक्ला, प्रोफेसर अरुण कुमार मदान, डॉ नित्यानंद पांडे, प्रोफेसर सरबजीत यादव, प्रोफेसर देश दीपक सिंह, प्रोफेसर अतुल प्रकाश, प्रोफेसर बृजेश यादव, प्रोफेसर अमित सिंह सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी, कर्मचारी तथा परास्नातक छात्र–छात्राएं आदि रहे।

कारोबारियों को सभी विभाग देंगे नियमों की जानकारी

-जिलाधिकारी ने जिला व्यापार बंधु की बैठक में दिये निर्देश

मथुरा। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु, जिला व्यापार बंधु, निवेश मित्र पोर्टल, जिला प्रोत्साहन समिति, जिला यूजर्स समिति तथा जिला श्रम बंधु समिति की बैठक संपन्न हुई। व्यापारियों एवं उद्यमियों के लिए बने निवेश मित्र पोर्टल, सिंगल विंडो पोर्टल, फूड सेफ्टी नॉर्म्स, फायर ऑडिट, विद्युत आपूर्ति, सड़कों के अनुरक्षण, साफ सफाई, स्ट्रीट लाइटिंग आदि के संबंध में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। उद्योग क्षेत्र में विद्युत की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा आवश्यकता अनुसार फीडर की व्यवस्था की जाए। जहां पर भी विद्युत की परेशानी हो या शटडाउन अधिक हो रहा हो वहां एसडीओ स्वयं जाकर जायजा लें। उद्यमियों व व्यापारियों को समय से नए प्लांट, फैक्ट्री व उद्योग के लिए विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने उद्योग क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट सही कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरओ पीसीबी लगातार उद्योगों में जांच कर प्रदूषण मानकों को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा सुनिश्चित करें कि सभी उद्योग मानकों के अनुसार संचालित रहें और सभी का पालन करें। चीफ फायर ऑफिसर को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय, संयुक्त चिकित्सालय तथा महिला चिकित्सालय का फायर ऑडिट कराएं। आरओ पीसीबी समस्त एसटीपी प्लांटो का नियमित निरीक्षण करें। जिलाधिकारी के समक्ष उद्योग मंडल एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने सुझाव एवं शिकायतों रखी, जिस पर संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापरक तरीके से ससमय निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्योग क्षेत्रों में साफ सफाई तथा नालों की सफाई निरंतर की जाए। सड़कों का अनुरक्षण किया जाए तथा जहां जरूरत है वहां पर मरम्मत की जाए। पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योग क्षेत्र में लगातार पुलिस गश्त करती रहे और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें। फायर, प्रदूषण एवं खाद्य सुरक्षा विभाग संयुक्त रूप से उद्योग बंधुओं को अपने विभागों के नियमों से जागरूक करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समस्त अधिकारी निवेशकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। सभी प्रकार के जमीनी विवादों का मौके पर जाकर निराकरण किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों तथा व्यापारियों एवं उद्यमियों से कहा कि भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की जो विभागीय जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं उनका लाभ लें। बैंक के अधिकारियों से कहा कि आप लोग उद्यमियों को अपेक्षित सहयोग करें ताकि उद्यमी आगे बढ़ सके और जनपद का विकास हो सके। इसी क्रम में जिला श्रम बंधु की बैठक संपन्न हुई। जिसमें जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समस्त कंस्ट्रक्शन, जल जीवन मिशन व भट्टा मजदूरों का पंजीकरण कराएं। सभी विभाग शत प्रतिशत श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करें। सत्यापन के उपरांत सभी पात्र श्रमिकों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करें। जिलाधिकारी ने पंजीकरण पोर्टल खुलने के बाद श्रमिकों का अधिकाधिक पंजीकरण करवाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, उपायुक्त उद्योग रामेन्द्र कुमार, सहायक श्रम आयुक्त एमएल पाल, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन से धीरेंद्र प्रताप सिंह सहित उद्योग मण्डल व व्यापार मंडल के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिहार, कोलकाता, भरतपुर और दिल्ली से अश्वपरेट हो रही महाकुंभ की फर्जी वेबसाइट

महाकुंभ मेले में टेंट और होटल बुकिंग को लेकर साइबर जालसाज सक्रिय हैं। साइबर पुलिस की रडार पर ऐसी कई वेबसाइट हैं जो लोगों को ठगने का प्रयास कर रही है। साइबर पुलिस की जांच में पता चला है कि महाकुंभ की अधिकतर फर्जी वेबसाइटें बिहार, कोलकाता, भरतपुर और दिल्ली से ऑपरेट हो रही है। इनको बंद करने के लिए साइबर पुलिस प्रयास कर रही है। मेले में दूर–दराज के श्रद्धालुओं ने अभी से ही मेला क्षेत्र के टेंट हाउस और शहर के नामी होटलों में कमरा बुक करना शुरू कर दिया है। साइबर पुलिस के मुताबिक, इन दिनों महाकुंभ की फर्जी वेबसाइट में सबसे अधिक चार राज्यों का नाम सामने आया है। इनमें बिहार का नवादा जिला नंबर वन है। 70 फीसदी से अधिक ऐसी वेबसाइटें हैं, जो यहां से होस्ट की जा रही हैं। इसके बाद कोलकाता, भरतपुर और दिल्ली का नंबर आता है। हाल ही में बंद करवाई गईं लगभग 54 वेबसाइटों में भी इन्हीं शहरों का नाम आया है। सिर्फ एक अक्षर या डॉट का हेरफर साइबर पुलिस के अफसरों ने बताया कि जालसाज मात्र एक अक्षर या डॉट का हेरफेर कर फर्जी वेबसाइट आसानी से तैयार कर देते हैं। बुकिंग कराने वाला नाम नोटिस नहीं करता है और वेबसाइट पर अपनी डिटेल भर देता है। जिससे वह ठगी का शिकार हो जाता है। 44 वेबसाइटों को रडार पर लिया पहली बार महाकुंभ मेला क्षेत्र में साइबर थाना बनाया जा रहा है। जिसमें प्रदेश के चुनिंदा साइबर विशेषज्ञों की एक विशेष टीम बुलाई गई है। यही टीम फेक, डार्क वेबसाइट और सोशल मीडिया के शातिरों से श्रद्धालुओं को बचाने के लिए संदेहास्पद 44 वेबसाइटों को रडार पर लिया है। इनका होस्ट जानने के लिए टीम प्रयास कर रही है। किसी के नाम से डोमेन लेना आसान यूपी पुलिस के साइबर सलाहकार राहुल मिश्रा बताते हैं, किसी के नाम से डोमेन लेना बहुत आसान होता है। सरकारी विभाग, पुलिस विभाग, बड़े आयोजन, हस्तियों के नाम, होटल, फैक्टरी, नामी कंपनी आदि के नाम से बनी वेबसाइट के कुछ अक्षरों को बदल दिया जाता है।

1918 के कुम्भ में महात्मा गांधी ने लगाई थी डुबकी

प्रयागराज। कुम्भ मेला ना केवल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है बल्कि यह सदियों से समाज की सामूहिक चेतना व स्वतंत्रता की भावना का परिचायक भी रहा है। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान यहां एक ऐसा ही मंच बन गया था, जहां धर्म और स्वतंत्रता की चेतना का संगम देखने को मिला। जब वर्ष 1918 में आयोजित कुम्भ मेले का हिस्सा बने महात्मा गांधी ने संगम में डुबकी लगाई थी। कुम्भ में उनके आगमन का उल्लेख सीआईडी की उस समय की खुफिया रिपोर्ट में दर्ज है। जो रिकार्ड क्षेत्रीय अभिलेखागार में संरक्षित है। कुम्भ में डुबकी लगाने का खुलासा खुद बापू ने दस फरवरी 1921 को फैजाबाद में हुई जनसभा में किया था। सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज के कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ. धनंजय चोपड़ा बताते हैं कि जनसभा में गांधी जी ने स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई को केंद्र में रखकर वहां उपस्थित लोगों से कहा था कि 'मुझे पहले ही फैजाबाद आना था लेकिन इलाहाबाद में कुम्भ मेला में सबसे ज्यादा लोग एक माह से ज्यादा तक रहते थे, इसलिए मैंने वहां जाकर डुबकी लगाई।

भाकियू अराजनैतिक ने वापस ली तहसील घेराव की घोषणा

-भाकियू अराजनैतिक ने दी थी 24 दिसंबर को तहसील महावन मुख्यालय के घेराव की धमकी

मथुरा। भाकियू अराजनैतिक ने तहसील घेराव की घोषणा को वापस ले लिया है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि अधिकारियों से उनकी बात हो गई है, इसके बाद 24 दिसम्बर के तय कार्यक्रम को वापस ले लिया गया है। अधिकारियों के साथ शुक्रवार को हुई वार्ता के बाद यूनियन ने घेराव की घोषणा को वापस ले लिया। यह निर्णय संगठन ने प्रशासन के अधिकारियों द्वारा किसानों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करने का आश्वासन मिलने के बाद लिया है। इन दोनों खेतों में आलू, सरसों, जो की फसल खड़ी हुई है। इधर तापमान में गिरावट आ गई है इससे आलू और सरसों की फसल में नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। आलू की फसल को सिंचाई कर ही इस मौसम की मार से बचाया जा सकता है। बजली की निर्धारित समय पर 10 घंटे आपूर्ति नहीं मिल पाने के कारण ट्यूबवेल भी नहीं चल पा रहे हैं। मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर ने बताया की विद्युत सब स्टेशन मढ़ौरा, पचावर लक्ष्मी नगर और बलदेव से किसानों को 24 घंटे में सिर्फ दो ढाई घंटे बिजली की आपूर्ति मिल रही है। किसान अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। नहरों में पानी की कमी है। किसानों के आवश्यक दस्तावेज भी अधिकारी समय पर बना कर नहीं दे रहे हैं। वार्ता में अधिकारियों ने कहा के शनिवार से किसानों को पूरे 10 घंटे बिजली की आपूर्ति होगी। नहरों से भी पर्याप्त मात्रा में सिंचाई को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। जो भी कार्य तहसील स्तर पर लंबित है, उनको अगले एक सप्ताह के अंदर निस्तारित कर दिया जाएगा। यूनियन के मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर ने बताया कि किसानों के संतुष्ट होने पर तहसील घेराव के आह्वान को वापस लिया गया है। एक सप्ताह का समय प्रशासन को दिया गया है। इस समय अवधि में लंबित समस्याओं का निस्तारण नहीं किया तो आंदोलन के विकल्प यूनियन के सामने खुले हुए हैं। बैठक में धर्मवीर सिंह तहसील अध्यक्ष महावन मुकेश सिंह रावत अवधेश सिंह रावत उदयवीर सरपंच जी छोटू चौधरी लाल सिंह तोमर सोबरन सिंह पॉप सिंह भूरा गोविंद ईंतदहंत योगेश तोमर विजय सिकरवार आदि मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा के निमित्त निकाली गई कलश यात्रा

प्रयागराज। आदि शक्ति वैदिक संस्थान व मां काली मंदिर नेहरू पार्क सैनिक कॉलोनी की ओर से आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ और श्रीमद्भागवत कथा के तहत गुरुवार को श्रद्धा, उल्लास से कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में उत्साह से शामिल हुए। महायज्ञ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य अखिलेश द्विवेदी के सानिध्य में संपन्न हुआ। श्रीमद्भागवत कथा का वृंदावन धाम के कथा व्यास आचार्य तरंग ने प्रस्तुत किया। आचार्य ने कृष्ण के अवतार की कथा प्रस्तुत की। महायज्ञ की पूर्णाहुति 23 को होगी।

दोना, ग्लास बनाने की फैक्ट्री पर ठोका 85 हजार का जुर्माना

-प्रतिबंधित प्लास्टिक से तैयार किये जा रहे थे दौना और ग्लास

मथुरा। नगर निगम की टीम ने शुक्रवार को इंडस्ट्रीज एरिया में कार्यवाही करते हुए 85 हजार का जुर्माना लगाया। इंडस्ट्रीज एरिया में इस फैक्ट्री के अंदर प्रतिबंधित प्लास्टिक से दौना और ग्लास तैयार किये जा रहे थे। भारी मात्रा में प्लास्टिक भी बरामद की गई है। सहायक नगर आयुक्त के द्वारा इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री से भारी मात्रा में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त करते हुए जुर्माने की कार्यवाही की गई। शासन द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक, पॉलिथीन के प्रयोग, भंडारण एवं विक्रय को पूर्णत प्रतिबंधित किया गया है। महापौर एवं नगर आयुक्त के द्वारा नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत प्रतिबंधित प्लास्टिक, पॉलिथीन, के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान के द्वारा इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री से भारी मात्रा में सिंगल यूज प्लास्टिक (गिलास एवं दौना) से भरे हुए कार्टन जब्त किए गए एवं फैक्ट्री संचालक पर 85000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही फैक्ट्री संचालक को प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलीथिन का उत्पादन एवं भंडारण न करने हेतु चेतावनी दी गई। इस कार्यवाही के दौरान के दौरान नगर निगम मथुरा वृन्दावन से प्रवर्तन दल, मुख्य सफाई निरीक्षक मुकेश शर्मा, राजेश सूबेदार, दीपक शर्मा, तुलसी आदि कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

गंगानाथ झा परिसर में तर्कसंग्रहवर्ग पर सप्तदिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में सप्तदिवसीय हैमन्तीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला परिसर में दिनांक 20–12–2024 से 26–12–2024 तक आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्घाटन आज दिनांक 21–12–2024 को देश के ख्यातिलब्ध विद्वानों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ऋषिकान्त पाण्डेय,विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता आचार्य डॉ. सियारामदास नैयायिक, श्रीरघुनाथ मन्दिर, माउन्ट आबू, राजस्थान तथा विशिष्टवक्ता प्रो. नरोत्तम सेनापति,आचार्य, विश्वभारती केन्द्रीय विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, पश्चिम बंगाल एवं प्रो. विष्णुपद महापात्र, आचार्य, श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली रहे। अपने वक्तव्य में मुख्यवक्ता आचार्य डॉ. सियारामदास नैयायिक ने न्याय शास्त्र हेतु व्याकरण के विशेष ज्ञान पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों द्वारा न्यायशास्त्र एवं तर्कशास्त्र के सम्बन्धों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विशिष्टवक्ता प्रो. नरोत्तम सेनापति ने भी अपने सारगर्भित वक्तव्य द्वारा तर्कसंग्रह की विशिष्टता से अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. ऋषिकान्त पाण्डेय ने ज्ञान को अनन्त एवं सतत् गतिमान प्रकिया बताया। अपने उद्बोधन में सनत कुमार एवं नारद तथा नचिकेता एवं यमराज के संवादों का संक्षिप्त वर्णन करते हुये सभी को ज्ञान प्राप्ति हेतु सजग एवं क्रियाशील रहने पर बल दिया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि भारत के सभी दर्शन एवं सिद्धान्त परस्पर एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि परिसर में दिनांक 20–12–2024 से 26–12–2024 तक आयोजित की जा रही इस कार्यशाला से छात्र–छात्राएँ अधिकाधिक लाभान्वित होंगे। धन्यवाद ज्ञापन अंकित मिश्रा ने किया । इस अवसर पर शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज कुमार मिश्र (विभागाध्यक्ष, वेद विभाग), प्रो. अपराजिता मिश्रा (विभागाध्यक्षा, पाण्डुलिपि विभाग), डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप, डॉ. मोनाली दास, डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री संजय मिश्र तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा छात्र–छात्राएँ एवं अन्य शोधच्छात्र समुपस्थित रहे । कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनीष जुगरान एवं सहसंयोजक अंकित मिश्रा हैं।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में उर्जा संरक्षण प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज । उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय सूबेदारगंज में विद्युत विभाग द्वारा राष्ट्रीय उर्जा संरक्षण प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने उर्जा संरक्षण प्रदर्शनी का दीप प्रज्जवलन एवं फीता काट कर शुभारंभ किया और उर्जा संरक्षण प्रदर्शनी में लगी स्टॉलों का अवलोकन किया। इस

अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री जोगिंदर सिंह लाकरा सहित मुख्यालय कार्यालय के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे इस प्रदर्शनी में विभिन्न ऊर्जा संरक्षण उपायो तथा उत्पादो का प्रदर्शन किया गया। जिसमे स्म्क इनसइ, सोलर पैनल, केबल, प्रीपेड मीटर इत्यादि का विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया। इस अवसर पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसके द्वारा ऊर्जा संरक्षण के उपायों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी द्वारा "उत्तर प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2024" में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा प्रथम स्थान तथा ठम्म् द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2024" में सूबेदारगंज रेल्वे स्टेशन को "सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट" पाने पर सभी को बधाई दी तथा अपने वक्तव्य में महाप्रबंधक महोदय ने प्रत्येक रेलवे कर्मचारी को अपने जीवन में ऊर्जा संरक्षण उपायों से सम्बंधित आदतों को अपनाने हेतु जोर दियाद्य भारतीय रेलवे द्वारा पिछले कुछ वर्षों में म्दमतहल ब्वदेमतअंजपवद हेतु कई कार्यक्रम चलाये गये हैं। हमारी उत्त्तर मध्य्य रेलवे द्वारा लगातार महत्त्वपूर्ण कार्य किये गये हैं। सौर ऊर्जा संयत्र की स्थ्थापना तथा अधिकाधिक प्रयोग, इलेक्ट्रिक इंजन का प्रयोग, भ्व्ळ के उपयोग से पावर कार के डीजल खपत में कमी करना, म्दमतहल ̈अपदह च्तवबमेध्म्मबीदवसवहल का उपयोग म्द. मतहल म्पिबपमदज ब्वबीमे का उपयोग, रेलवे स्थ्टेशनों पर म्दमतहल ̈अपदह स्म्क प्रणाली का उपयोग इत्यादि। इन सभी उपायों द्वारा हमारी ऑपरेटिंग कॉस्थ्ट में काफी कमी आयी है तथा हमने ब्तइवद म्उमेपवद में भी कमी आयी है, जिससे पर्यावरण के संरक्षण में मदद मिली है। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर श्री अनूप कुमार अग्रवाल जी ने वर्ष 2023–24 से वर्ष 2024–25 में ऊर्जा खपत में कितनी कमी आई, जिसमे सोलर ऊर्जा जनरेशन, रिजनरेटिव ब्रेकिंग, हेड ऑन जनरेशन ठस्क्ब पंखा इत्यादि से सम्बंधित आंकड़े प्रस्तुत किये गए। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर ने सभी को इसी तरह आगे भविष्य में भी कार्य करने हेतु प्रोत्साहित कियाद्य अंत में श्री पुलकित श्रीवास्तव, वरिष्ठ मण्डल बिजली इंजिनियरध् कर्षण वितरणध् स्पेशल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संचेतना की काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रयागराज । 20 दिसम्बर को ष्संचेतनाष के तत्वावधान में सर पी सी बनर्जी छात्रावास के सभागार में भगवानप्रसाद उपाध्याय की

अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी आयोजित हुई. विशिष्ट अतिथि उमेश श्रीवास्तव तथा संस्था के अध्यक्ष प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह मंचस्थ थे.काव्य गोष्ठी की शुरुआत कंचन यादव के काव्य पाठ से हुई. इस काव्य गोष्ठी में काव्य पाठ करने वालों में थे डॉक्टर गणेशन, डॉक्टर गीता सिंह, रचना सक्सेना, वन्दना शुक्ल, डॉक्टर वीरेंद्र तिवारी,डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी,रामलखन चौरसिया,तलब जौनपुरी,ऊर्वशी उपाध्याय, रेनू मिश्र, सौरभ मिश्र, आयुष, ओम,और दिलकश. गोष्ठी का संचालन किया युवा कवि देवेश पाण्डेय ने. गोष्ठी में मौजूद थेरू डॉक्टर रमाशंकर सिंह, आशुतोष मिश्र, मोहब्बत शाहिद आज मौजूद रहे ।

महाकुंभ में देश के कोने-कोने से महापौर आयेगे, महापौर- गणेश केसरवानी

राजस्थान के जयपुर में देश के सभी महापौर को प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी ने दिया आमंत्रण

प्रयागराज समहापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने राजस्थान के जयपुर में तीन दिवसीय देश भर के मेयर समित में देशभर से आए महापौर को महाकुंभ मेले में आने के लिए आमंत्रित किया और कहा विश्व के सबसे बड़े मेले में आप लोग आए । इस अवसर पर दीप प्रज्जवलन कर महाकुंभ के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर मुख्य अतिथि राजस्थान के उपमुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद्र बैरवा जी के गरिमामयी उपस्थिति में महापौर गणेश केसरवानी ने चर्चा करते हुए कहा महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि इस महान अवसर पर प्रयागराज अवश्य आएं और आस्था के संगम में पवित्र डुबकी लगाकर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करें । महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है, यह एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। इस अवसर पर राजस्थान के नगर विकास मंत्री श्री झाबर सिंह खरॉ, जयपुर ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर जी, सूरत के महापौर दक्षेस मवानी, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सहारनपुर के महापौर विनोद अग्रवाल जी, लखनऊ महापौर सुषमा खर्कवाल जी, कानपुर महापौर प्रमिला पांडेय जी और भी देश भर के महापौर उपस्थित रहे ।

'शहर समता विचार मंच (महिला)कानपुर इकाई की दिसम्बर माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि रेखा श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि डॉ सुषमा त्रिपाठी रहीं। यह काव्य गोष्ठी दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में पूनम पांडे, पुष्पा सिंह, शिप्रा सिंह, सुषमा सिंह उर्मी, डॉ सुषमा त्रिपाठी, रेखा श्रीवास्तव, सुनीता गुप्ता, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें । अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया ।

इस्कॉन, टाटा ग्रुप ब्रज के कुंडों के जल को बनाएंगे 'आचमन'

– जनपद में 2050 जल निकाय में से 288 कुंड, सर्वे में 213 मौके पर मिले, पानी खराब

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के साक्षी कहे जाने वाले ब्रज के प्राचीन कुंडों का जल अब आचमन योग्य होगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर ब्रज के प्राचीन कुंडों के जल की गुणवता को सुधारने के लिए इस्कॉन और टाटा ग्रुप

काम करने जा रहे हैं। टाटा ग्रुप ने मानसी गंगा, राधाकुंड, कृष्ण कुंड, अष्ठसखी कुंड, शांतनु कुंड, कृष्ण कुंड, गरुण गोविंद कुंड, नरी सेमरी कुंड को गोद लिया है। जबकि इसकॉन ने प्रिया कुंड, पावन सरोवर, वृषभानु कुंड, विव्हक कुंड, जल विहार कुंड, कृष्ण कुंड, कृष्ण कुंड को गोद लिया है। वहीं एमवीडीए ललिता कुंड, वृंदा कुंड, नारद कुंड, सोभरि कुंड, आट्स से सुनरख तक ड्रेन पर काम कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र के स्पेस डाटा के अनुसार मथुरा जनपद में 2052 जल निकाय मौजूद हैं। इनमें से 288 कुंडों के रूप में सामने आए हैं। इस स्पेस डाटा पर किए गए फील्ड सर्वे में 213 कुंड मौके पर मौजूद मिले हैं। इसमें अधिकांश देखरेख के अभाव में जीर्णशीर्ण अवस्था में थे। इन कुंडों के जल की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। इनका धार्मिक और इतिहासिक महत्व होने के कारण यहाँ श्रद्धालु भी पहुंचते हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा इनमें से दो दर्जन प्राचीन कुंडों का पुनरोद्धार कराया गया है। यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसके साथ ही अब उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने ब्रज के इन प्राचीन कुंडों का सौंदर्यीकरण करने के साथ ही उनके जल की गुणवत्ता को सुधारने के लिए निजी संस्थाओं की मदद लेना शुरु कर दिया है। इस प्रक्रिया में इस्कान के साथ टाटा ग्रुप की मदद ली जा रही है। इस्कॉन की संस्था श्रीचौतन्य हेल्थ एंड केयर ट्रस्ट द्वारा सात कुंड और टाटा ग्रुप द्वारा आठ कुंडों का जल शोधन किया जाएगा। इसके लिए डीपीआर तैयार कर ली गई हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि ब्रज में अधिकांश कुंड प्राचीन हैं, जो इतिहासिक और धार्मिक महत्व से जुड़े हैं। इनके सौंदर्यीकरण के साथ जल की गुणवत्ता सुधारने का काम किया जा रहा है। टाटा और इस्कॉन् ग्रुप से 15 कुंडों के लिए अनुबंध हुआ है। कोशिश की जाएगी कि कुंडों का जल आचमन योग्य बनाया जा सके। मथुरा वृंदावन् विकास प्राधिकरण भी पांच कुंडों के जल शोधन पर काम कर रहा है।

'साहित्यकार सत्कार रू आपके द्वार का अनूठा प्रकल्प 21 दिसम्बर से'

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की जयंती पर वरिष्ठ साहित्यकार उमा सहाय और अजामिल व्यास को साहित्य वारिधि सम्मान

प्रयागराज । महानगर के साहित्यकारों और प्रकाशकों द्वारा संयुक्त रूप से एक अनूठा प्रकल्प आगामी 21 दिसम्बर को आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी की जयंती पर शुरू किया जा रहा है जिसे साहित्यकार सत्कार रू आपके द्वार का नाम दिया गया है । उपरोक्त जानकारी डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय व्यवस्थापक साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा दी गई है द्य डॉ उपाध्याय ने बताया कि वरिष्ठ साहित्यकार उमा सहाय जी एवं वरिष्ठ साहित्यकार व रंगकर्मी अजामिल व्यास जी को प्रकाशन की ओर से साहित्य वारिधि सम्मान प्रदान किया जाएगा द्य सम्मान समारोह आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी की जयंती के अवसर पर 21 दिसम्बर दिन शनिवार को पूर्वाह्न 11: 30 बजे से श्रीमती उमा सहाय के आवास (10 बन्द रोड प्रयागराज) पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें महानगर के कई लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार भाग लेंगे द्य समारोह में स्वागताध्यक्ष रंजन प्रकाशन प्रयागराज के व्यवस्थापक रंजन पाण्डेय जी होंगे और वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती जया मोहन अध्यक्षता करेंगी द्य विशेष अतिथि डॉ राम लखन चौरसिया वागीश जी रहेंगे । प्रयागराज के सम्मानित साहित्यकारों ध् कवियों से आयोजन में अपनी गरिमामय उपस्थिति का आग्रह किया गया है ।

'मुख्य स्नान पर्वो पर मानिकपुर, सतना एवं झाँसी दिशा की ओर यात्रा के लिए रेलवे की विशेष व्यवस्था'

दिशावार स्टेशन

प्रयागराज शहर में 9 रेलवे स्टेशन हैं जहां से विभिन्न दिशाओं के यात्री मुख्य स्नान दिवसों पर अपनी दिशा के अनुसार गाड़ी पकड़ सकते हैं

जोन	रेलवे स्टेशन	दिशा की ओर
उत्तर मध्य रेलवे	प्रयागराज जंक्शन (PRYJ)	कानपुर (CNB), पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU), सतना (STA), झांसी (VGLJ)
	नैनी जंक्शन (NYN)	सतना (STA), झांसी (VGLJ), पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	प्रयागराज छिवकी (PCOI)	सतना (STA), झांसी (VGLJ), पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	सूबेदारगंज (SFG)	कानपुर (CNB)
उत्तर रेलवे	प्रयागराज संगम (PYGS) (मुख्य स्नान दिवसों को छोड़कर)	अयोध्या (AY), जौनपुर (JNU), लखनऊ (LKO)
	प्रयाग जंक्शन (PRG)	अयोध्या (AY), जौनपुर (JNU), लखनऊ (LKO)
	फाफामऊ जंक्शन (PFM)	
पूर्वोत्तर रेलवे	प्रयागराज रामबाग स्टेशन (PRRB)	वाराणसी (BSB), गोरखपुर (GKP), मऊ (MAU)
	झूंसी (JI)	

प्रयागराज समहाकुंभ–2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर यात्री सुविधा प्रदान करने के लिए रेल प्रशासन ने वृहत स्तर पर तैयारी की है । रेल प्रशासन द्वारा महाकुंभ–2025 के लिए की गयी तैयारियों से श्रद्धालुओं और जन सामान्य को अवगत करने के लिए विभिन्न माध्यम से प्रचार–प्रसार भी किया जा रहा है। महाकुंभ –2025 में मुख्य स्नान पर्व– पौष पूर्णिमा (13.01.2025), मकर संक्रांति (14.01.2025), मौनी अमावस्या (29.01.2025), बसंत पंचमी (03.02.2025), माघी पूर्णिमा (12.02.2025) एवं महाशिवरात्रि (26.02.2025) हैं । इन स्नान पर्वों पर देश–विदेश के करोड़ों श्रद्धालु संगम तट पर दर्शन और स्नान के लिए आते हैं । रेल प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के क्रम में ट्रेन से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगमता से उनके गंतव्य स्टेशन पर भेजने के लिए दिशावर ट्रेनों को चलाया जा रहा है । श्रद्धालु मुख्य स्नान पर्वो पर मानिकपुर, सतना एवं झाँसी दिशा की ओर जाने के लिए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी एवं नैनी जंक्शन से यात्रा कर सकेगें । यह व्यवस्था मुख्य स्नान पर्व पर एक दिन पूर्व से लेकर दो दिन बाद तक लागू रहेगी । प्रयागराज जंक्शन से मानिकपुर, सतना एवं झाँसी दिशा की ओर यात्रा करने के लिए श्रद्धालुओं को प्रयागराज जंक्शन के गेट संख्या–3 से पीले रंग वाले टिकट के साथ पीले रंग वाले यात्री आश्रय संख्या–3 से प्रवेश देकर उचित प्लेटफॉर्म पर गाड़ी के लिए भेजा जायेंगा । प्रयागराज छिवकी से मानिकपुर, सतना एवं झाँसी दिशा की ओर यात्रा करने के लिए श्रद्धालुओं को प्रयागराज छिवकी के गेट संख्या–1ए से लाल रंग वाले टिकट के साथ लाल रंग वाले यात्री आश्रय संख्या–2 से प्रवेश देकर उचित प्लेटफॉर्म पर गाड़ी के लिए भेजा जायेंगा । नैनी जंक्शन से मानिकपुर व झाँसी दिशा की ओर यात्रा करने के लिए श्रद्धालुओं को नैनी जंक्शन के गेट संख्या–1 से नीले रंग वाले टिकट के साथ नीले रंग वाले यात्री आश्रय संख्या–2 से प्रवेश देकर उचित प्लेटफॉर्म पर गाड़ी के लिए भेजा जायेंगा और मानिकपुर व सतना दिशा की ओर यात्रा करने के लिए गेट संख्या–1 से लाल रंग वाले टिकट के साथ लाल रंग वाले यात्री आश्रय संख्या–3 से प्रवेश देकर उचित प्लेटफॉर्म पर गाड़ी के लिए भेजा जायेंगा ।

रूसी युवती बोली-भारतीय धर्म संस्कृति खींच लाई प्रयागराज, गंगा स्नान और परंपराओं से होंगी रूबरू

प्रयागराज। रेनबो इंटरनेशनल की ओर से सेक्टर–15 में लगने वाले शिविर में आवश्यक सुविधाओं के लिए मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंची रूसी युवती अनस्तस्या का कहना है कि भारतीय धर्म–संस्कृति उसे रूस से प्रयागराज खींच लाई। महाकुंभ के दौरान वह संगम तट पर बने शिविर में रहकर न सिर्फ गंगा स्नान करेंगी बल्कि यहां की संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होंगी। दरअसल, महाकुंभ में संगम तट पर रेनबो इंटरनेशनल (संस्था) की ओर से शिविर लगाया जा रहा है। इसमें भारतीय सहित देश–विदेश से कला–संस्कृति के प्रेमी शिरकत करेंगे।

गीत

रिश्तों में खुशियाँ भरने को,कंधों की भरमार,
निज खुशियों के खघतिर जिसमें,रही नहीं दरकार।

आँगन में थी हँसी–ठिठोली,रिश्तों में विश्वास,
दालानों में गूँज रहे थे,वासन्तिक परिहास,
बचपन की यादों का चादर,रहा मात्र अब याद–
एक रजाई में था सिमटा,रिश्तों का परिवार।

नीम बिना चौपाले सूनी,पनिहारिन बिन घाट,
देख दुकाने भौतिकता की,खघ्त्म हो रहे हाट,
गोरू दरवाजे से गायब,ट्रैक्टर बाँटे ज्ञान,
दस–दस रखें रजाई घर में,नाता है व्यापार।

माँ का आँचल गोद पिता की,नानी माँ का प्यार,
मासी माँ से प्रेम–ठिठोली,दादी नेह दुलार,
बच्चों की प्रिय साथी बनकर,बुआ रही जब साथ–
एक रजाई में था तब तक, रिश्तों का परिवार।

बात–बतकही हुक्का गायब,शान्त पड़े चौपाल,
अपने में ही मस्त हुए सब,नहीं पूछते हाल,
कथा–कहानी चूल्हे की अब,बन पुस्तक अध्याय–
बता रही है मौन रजाई, रिश्तों का संसार।

चिमटा बेलन तावा बटुली, चूल्हा लकड़ी आग,
भोजन के निर्माता सारे,गाते थे जब फाग,
थाली में तब व्यंजन सजकर,आकर सबके पास–
भूख मिटाकर हँसकर कहती , प्यारा है घरबार।

भात निमोना आलू बैगन,सरसो बथुआ साग,
सोआ मेथी पालक मरसा,मूँगफली का पाग।
मकई के आटा की रोटी,दिला रही है याद–
कैसे आनन्दित होता था,पूरा घर–परिवार।

पाती के अक्षर–अक्षर में, सिमटा पूरा गाँव,
सुख–दुख की बातें करते थे, बैठ भाव के छाँव,
बिन बोले संवाद मधुर यह, शब्दों में रस घोल–
दूजी पाती वापस जाती,बनकर के गमखघ्वार।

अर्थी को काँधे पर लाना, राम नाम का गाथ,
तेरह दिन तक साथ निभाना, और दिखाना पाथ,
लोकहितों के साधक सारे,जला प्रेम का दीप–
कुम्हलाये रिश्तों में भरते,पावन मधुर बहार।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सम्पादकीय.....

दानव नहीं नशेबाज

बीते सोमवार सुप्रीम कोर्ट ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में संवेदनशील व्यवहार व मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। इस मुहिम से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि नशे की लत के शिकारों का दानवीकरण करने के बजाय उनके उपचार व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाया जाए। यह हकीकत है कि हाल ही के वर्षों में विभिन्न घातक नशीले पदार्थों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन ऐसे लोगों के प्रति समाज में दुराग्रहपूर्ण नकारात्मकता होती है। समाज को ऐसे लोगों की पहचान संवेदनशील ढंग से करके, उन्हें इस लत से बचाने के लिये मनोवैज्ञानिक प्रयास करने चाहिए। निस्संदेह, कठोर व्यवहार करने से यह समस्या और जटिल हो जाती है। चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में नशे की दलदल के विस्तार की खबरें आ रही हैं। लेकिन उस अनुपात में सरकारों की तरफ से इस चुनौती के मुकाबले युद्धस्तर पर पहल होती नजर नहीं आ रही है। वहीं समाज की उदासीनता भी चिंता बढ़ाने वाली है। निस्संदेह, हमें नशे करने वालों को खतरनाक व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय, समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए। समाज के कठोर व तिरस्कारपूर्ण व्यवहार के चलते नशे के शिकार लोग और गहरी दलदल में उतरते चले जाते हैं। यदि हम इन युवाओं में नशे की दलदल से निकलने इच्छाशक्ति पैदा करें तो नशे के खिलाफ हमारी जंग कामयाब हो सकती है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि उनके प्रति नकारात्मक धारणा व उपेक्षा से उपजे मनोवैज्ञानिक द्वंद्व से व्यक्ति गहरे नशे की ओर उन्मुख हो जाता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब हमने वर्ष 2047 तक नशामुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है तो उसे पाने के लिये कारगर रणनीति अपनाने की भी जरूरत है। विशेषकर सामाजिक स्तर पर व्यापक व्यावहारिक पहल, जो जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव का वाहक बन सके। यह तार्किक है कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ को कहना पड़ा कि नशे की लत के शिकार लोगों को अपराधी की तरह देखना गलत है। निश्चित रूप से विभिन्न हितधारकों मसलन केंद्र व राज्य सरकारों, नागरिक समाजों, परिवारों व शैक्षणिक संस्थानों को संकट से निपटने के लिये खुलकर की जाने वाली चर्चाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसके विपरीत यदि हम उन्हें अपराधियों की तरह देखते रहे तो उन्हें हम पतन के गर्त की ओर उन्मुख कर देंगे। हम स्वीकार करें कि देश के युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। उन्हें करुणा और संवेदनशीलता की दृष्टि से देखे जाने की जरूरत है ताकि उन्हें अपनी स्थिति पर आत्ममंथन का मौका मिल सके। दरअसल, नशे के शिकार ये लोग इस नशे की नदी की छोटी मछलियां हैं। बड़ी मछलियां तो नशीली दवाओं के व्यापारी और तस्कर हैं। जो एक फलते–फूलते अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। जो कानून व पुलिस की गिरफ्त में आने से बचने के लिये धनबल से तमाम तरीके इजाद कर लेते हैं। इसे पंजाब के हालात के रूप में भी देखा जाना चाहिए। दरअसल, यह सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के चक्रव्यूह में फंस रहा है। साल की शुरुआत में अत्यधिक नशे की डोज से मरने की घटनाओं से पंजाब हिल गया था। जरूरी है कि नशे के खिलाफ लड़ाई में युवाओं की माताओं व बहनों को शामिल किया जाए। परिवार का भावनात्मक संबल कई युवाओं को नशे की अंधी गलियों से बाहर निकालने में सहायक होगा। लेकिन नशे के खिलाफ अभियान चलाने के बड़े–बड़े दावे करने वाले तंत्र को बरनाला में नशे के खिलाफ बुलंद आवाज उठाने वाले एक सरपंच की हत्या पर आत्ममंथन करना चाहिए। सोचना होगा कि यदि समाज में नशे के खिलाफ उठने वाली आवाजों को संरक्षण न दिया गया तो लोग नशे के खिलाफ आवाज उठाने से डरने लगेंगे। निश्चित रूप से नशे के खिलाफ जन आंदोलन ही स्थिति को बदलने में सहायक होगा। साथ ही नशीले पदार्थों के सेवन के पीछे छिपे बहुआयामी कारकों पर भी मंथन की जरूरत है ताकि पता चले कि क्यों युवा भावनात्मक पलायन के कारण नशा करते हैं।

अंबेडकर के प्रति नफरत का शाही इजहार

डॉ. दीपक पाचपोर

संविधान का गौरव गान करने वाला यह विशेष सत्र सत्तारुढ़ दल भारतीय जनता पार्टी ने कोई स्वरुचि या अंतरूप्रेरणा से अथवा वास्तविक श्रद्धा भाव के साथ आयोजित किया हो, तो ऐसा बिलकुल नहीं है।

आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन हो गया है। अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर! इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कौन कह सकता है कि ये शब्द अमित शाह के हैं जो देश के गृह मंत्री हैं। यह भी कोई नहीं सोच सकता कि वे उसी संविधान की बदौलत यह पद पाकर देश की सर्वोच्च संस्था में सरकार का दाहिना हाथ बनकर उन्हीं अंबेडकर को कोस रहे हैं जिन्हें संविधान की रचना का मुख्य श्रेय जाता है। फिर, यह भी कल्पना के परे है कि गृह मंत्री उसी संसद के फ्लोर पर खड़े होकर ऐसा कह रहे हैं जो संविधान के दिशानिर्देशों के अनुसार चलती हैय और फिर जिस सत्र के दौरान शाह ने यह अप्रिय व अशालीन टिप्पणी की वह उसी संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा का स्मरण करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। यह टिप्पणी शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में सरकार का पक्ष रखते हुए अपने भाषण के दौरान की। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने हाथ उठाकर उसी वक्त अपनी आपत्ति प्रकट करने की इजाजत तो मांगी थी लेकिन सरकार का बचाव करने के लिये कटिबद्ध सभापति व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उसे नजरंदाज कर दिया। इसे लेकर संसद परिसर में बुधवार को सांसदों का रोष दिखलाई दिया जो कि स्वाभाविक है। खरगे ने कहा कि श्बेशक उनके लिये और उनके जैसे करोड़ों लोगों के लिये अंबेडकर भगवान की ही तरह हैं। उल्लेखनीय है कि खरगे दलित समुदाय से आते हैं। सांसदों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए संसद परिसर में एक प्रदर्शन किया जिसमें वे अपने हाथों में अंबेडकर के चित्र लिये हुए थे। उन्होंने शाह से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग की। दुखद बात तो यह है कि अपने गृह मंत्री के बयान पर शर्मिंदा होने अथवा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने की बजाये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके बचाव पर उतर आये। उन्होंने कांग्रेस पर शाह का अधूरे बयान उद्धृत कर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि शाह ने कांग्रेस को देश के पहले कानून मंत्री अंबेडकर के साथ जो किया था, उसके बारे में जानकारी दी है। शाह के पक्ष में भाजपा का आईटी सेल भी उतर आया और उसने सफाई में गृह मंत्री का पूरा वीडियो डाला है। उधर राहुल गांधी ने इस पर यह बयान देकर शाह की घेराबन्दी की है कि श्जो लोग मनुस्मृति में भरोसा करते हैं उन्हें अंबेडकर से तकलीफ तो होगी ही। लोकसभा में इस विषय पर चर्चा करते हुए राहुल ने संविधान और मनुस्मृति की प्रतियां दिखलाते हुए कहा था कि श्असली लड़ाई इन दोनों किताबों के बीच की है। यदि कोई सोचता है कि शाह का यह बयान कोई सामान्य सा उद्धरण है तो उसे अपनी गलतफहमी को दूर कर लेना चाहिये। संविधान का गौरव गान करने वाला यह विशेष सत्र सत्तारुढ़ दल भारतीय जनता पार्टी ने कोई स्वरुचि या अंतरूप्रेरणा से अथवा वास्तविक श्रद्धा भाव के साथ आयोजित किया हो, तो ऐसा बिलकुल नहीं है। जिस दल के वैचारिक पुरखों ने पहले दिन से ही संविधान को नकार दिया हो उसके मन में यकायक प्रेम उमड़ पड़ना भाजपा की सियासी मजबूरी है। जड़ में तो घृणा ही है। इस साल के लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और उसका नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस (एनडीए) दोनों इस बात को लेकर निश्चिंत थे कि उन्हें 370 व 400 का आंकड़ा प्राप्त होगा। यानी भाजपा अपने अकेले दम 370 सीटें लायेगी तथा मिल–जुलकर 400 की संख्या पार हो जायेगी। अति उत्साहित कई भाजपा उम्मीदवारों और नेताओं ने पहले ही बता दिया कि श्मोदी को इस बम्पर जीत की जरूरत इसलिये है क्योंकि उन्हें संविधान बदलना है। भाजपा–एनडीए को उम्मीद थी कि सामाजिक ध्रुवीकरण के चलते बड़ी जीत हासिल होगीय लेकिन इसे विपक्षी गठबन्धन खासकर कांग्रेस ने अपना प्रमुख विमर्श बना लिया। स्थिति पलट गयी। सीटों के एक बड़े नुकसान के साथ भाजपा तेलुगू देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों का सहारा लेकर ही सरकार बना सकी। जब माना गया कि यह नारा खिलाफ जा रहा है, तो मोदी एवं भाजपा ने सुर बदले और चुनाव के पहले ही कहना शुरू कर दिया कि संविधान बदलने की विपक्ष अफवाह फैला रहा है। संविधान बदलने से मुख्य तात्पर्यय और जो भाजपा व उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता रहा है, कि आरक्षण खत्म हो। इस संविधान से उनकी सबसे बड़ी आपत्ति इसी प्रावधान को लेकर रही है। जिस संविधान को संघ के तत्कालीन नेताओं ने यह कहकर अस्वीकार कर दिया था कि श्इसमें कुछ भी भारतीय नहीं हैश, आज उनके वारिसान खुद को उसके सबसे बड़े संरक्षक दिखलाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा–संघ की मजबूरी यह हैय त्रासदी भी, कि जिन डॉ. अंबेडकर के प्रति नफरत का भाव रखते हुए भाजपा–संघ की कई पीढ़ियां बड़ी हुईं, जिनमें वर्तमान शासकों की भी है, उन्हें ही संविधान की स्तुति करनी पड़ रही है और आरक्षण कभी खत्म न होने देने का शोर मचाना पड़ रहा है। असलियत तो यही है कि मोदी–शाह जानते हैं कि संविधान, आरक्षण एवं अंबेडकर को नकारते ही भाजपा सत्ता से बाहर हो जायेगी। यह भी सच है कि संघ के 2025 में 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के दौरान वे रंग में भंग नहीं होने देना चाहते। भाजपा इंतजार करना पसंद करेगी। वरना हर किसी को याद है कि अंबेडकर की मूर्ति को नये संसद भवन में हटाकर इतने पीछे कर दिया गया है कि कोई देख न सके।

अंधेरे पहलुओं को उजागर करती 'मार्चिंग इन द डार्क'

सर्वमित्रा सुरजन

अंधरातल्या मशाली या मार्चिंग इन द डार्क युवा फिल्मकार और निर्देशक किंशुक सुरजन की डाक्यूमेंट्री फिल्म है, जो क्लिन डीश्ओइल फिल्म्स के बैनर तले बनी है। वृत्तचित्र का मुख्य विषय महाराष्ट्र में किसान आत्महत्या और उन विधवाओं का त्रासद जीवन है, जिन्हें घर और बाहर हर जगह कई कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। लेकिन पांच सालों की मेहनत को 105 मिनटों में समेटे इस वृत्तचित्र को देखने के बाद महसूस होता है कि आपने किसी बेहतरीन उपन्यास को पढ़ा है, जिसका हर पन्ना एक नए अनुभव, एक नए अहसास को जगाता है, हर अध्याय में एक नयी कहानी खुलती है, लेकिन इसके बावजूद केन्द्रीय विषय से भटकाव नहीं होता। जैसे किसी रसभरी और सुरीली कविता या गजल को सुनते हुए श्रोता उसे संग–संग गुनगुनाने लगता है और हर नयी पंक्ति के बाद उसे पता होता है कि मुखड़ा कब दोहराना है, ठीक ऐसा ही अनुभव मार्चिंग इन द डार्क को देखते हुए होता है। इसमें अनेक कहानियां संग–संग चलती हैं, लेकिन सबमें कहीं न कहीं मुख्य किरदार संजीवनी भूरे या उस जैसी तमाम महिलाओं को जुड़ा पाते हैं। असल में इसे वृत्तचित्र या डाक्यूमेंट्री न कहकर फीचर फिल्म की तरह देखा जाए, तो भी उतना ही आनंद आएगा। खास बात यह है कि संजीवनी समेत फिल्म के तमाम किरदारों के असल जीवन को ही दर्शक पर्दे पर देखते हैं और उनकी बातचीत में भी कहीं कोई नाटकीयता नहीं है, किसी ने उन्हें संवाद लिखकर नहीं दिए कि आपको इस मौके पर ये कहना है या ऐसे भाव देने हैं। जो कुछ है असली है और इस असलियत को दर्शकों तक पहुंचाने का कमाल किंशुक सुरजन और उनके साथी सिनेमैटोग्राफर लीना पटोली, कार्ल रोटियर्स और विशाल विट्टल ने कर दिखाया है। फिल्म की शुरुआत फसलों की नीलामी के दृश्य से शुरु होती है, जिसमें जाहिर तौर पर एमएसपी जैसी कोई बात नहीं है, बल्कि सीधे–सीधे दबाव डालने की बात है कि अभी जो दाम मिल रहे हैं, वही ले लो, वर्ना बाद में इतना भी नहीं मिलेगा। बाजार के खेल के दबाव के आगे किसान मजबूर है। एक बुजुर्ग किसान कहते हैं कि किसानों को कभी भी वह नहीं मिलता जिसके वे हकदार हैं। आगे पूरी फिल्म इसी हक मारने के अलग–अलग नतीजों को दिखाती है, लेकिन इन सबमें महिलाएं किस तरह त्रासदी का शिकार होती है, उसका बेहद मार्मिक चित्रण किया गया है। संजीवनी भूरे के पति भी किसान थे और उनके आत्महत्या करने के बाद संजीवनी पर अपने दोनों छोटे बच्चों को पालने, खेती संभालने और साथ ही संयुक्त परिवार की जिम्मेदारियां हैं। इन जिम्मेदारियों को निभाते हुए संजीवनी जीवन में आगे बढ़ना और पढ़ना चाहती है। वह अपने परिजनों से छिपकर फर्स्ट ईयर में दाखिला लेती है, पढ़ती है, परीक्षा भी देती है, और अपनी सहेली के साथ परीक्षा के अनुभव को साझा करते हुए बताती है कि उसने कैसे नकल करने की तैयारी भी की थी। फिल्म में इस दृश्य को बेहद सहज और रोचक तरीके से दिखाया गया है। जिसमें दर्शक भी संजीवनी के साथ मुस्कुराए बगैर नहीं रह सकता। पति की आत्महत्या के बाद जीवन की कठिनाइयों का सामना करने वाली अकेली संजीवनी नहीं है, उससे पहले भी कई महिलाएं इसी तरह विधवा हुईं और संजीवनी के सामने भी कई और महिलाएं अकेली पड़ती जा रही हैं। इन महिलाओं के सामने समाज अनेक अनसुलझे सवाल अपनी रुढियों के जरिए खड़े करता है, जिनके जवाब ढूंढने में इन्हें मानसिक संताप से गुजरना पड़ता है। एक गैर सरकारी संगठन इन महिलाओं के लिए एक परामर्श सत्र चलाता है, जिसमें संजीवनी भी जाती है। पहले–पहल वह अपने मनोभावों को अभिव्यक्त करने में असमर्थ दिखती है। कैमरा संजीवनी के चेहरे के भावों को कैद करता है और दर्शक उसके गले में फंसे शब्दों को महसूस करता है। बार–बार पूछने पर भी संजीवनी कुछ नहीं कहती, लेकिन समय बीतने के साथ उसके मन में उमड़ते भाव शब्दों के जरिए अभिव्यक्त भी होते हैं और संजीवनी अपनी साथी महिलाओं से बात करती है, हाल ही में विधवा हुई एक अन्य महिला को सांत्वना के साथ–साथ हिम्मत बंधाती है, अपने बच्चों के साथ बच्ची बनकर हंसी–ठिठोली भी करती है। उनके कहने पर कुछ देर के लिए माथे पर बिंदी लगाती है और परामर्श केंद्र में दूसरा विवाह करने पर अपनी राय भी रखती है। दरअसल यह फिल्म का एक दूसरा पहलू है, जो बिना किसी उद्घोषणा के सीधे दर्शकों के मन में दखल देता है। परामर्श केंद्र में किसान विधवाओं को मनोवैज्ञानिक मदद तो दी ही जाती है, उनसे बातचीत में कई ऐसे मुद्दे निकल कर आते हैं, जो सीधे नारीवाद या फेमिनिज्म से जुड़ते हैं और साथ ही सामाजिक रूढ़ियों और अंधविश्वास को भी उजागर करते हैं। जैसे पति के देहांत के बाद महिलाएं माथे पर कुमकुम क्यों नहीं लगा सकतीं या होली के रंगों से क्यों दूर हो जाती हैं। उनके सामने जब गुलाल से सजी थाल रखी जाती है, तो थोड़ी सी झिझक के बाद सभी महिलाएं एक–दूसरे के गालों पर गुलाल मलते, मस्ती करते बेहद खुश दिखती हैं। हालांकि थोड़ी ही देर में गुलाल को पूरी तरह पोंछने और साफ करने का पल भी आता है, मानो इस परामर्श केंद्र के बाहर जो दुनिया है, वहां के नियम महिलाओं की इस खुशी को मान्यता नहीं देंगे। यहां आपसी चर्चा में कई महिलाएं पूरी बेबाकी से एकदम खरी बातें कहती हैं। जैसे एक महिला कहती है आदमी को तनाव होता है, तो वो शराब पिए, हमें मारे या खुद मर जाए, लेकिन हम महिलाएं ऐसा नहीं कर सकती। हमें तो घर भी देखना है, बच्चे भी पालना है और जो कर्ज उसने लिया, उसे चुकाने के लिए खेती भी करनी है। इसी तरह पुनर्विवाह का सवाल आता है, तो संजीवनी कहती है उसने किया अच्छा किया, उसने हिम्मत दिखाई, लेकिन मैं अभी इस बारे में नहीं सोच सकती। वो सवाल करती है कि क्या दूसरा पति हमारे बच्चों को भी अपनाएगा। एक अन्य महिला कहती है सगे बाप की जगह कोई नहीं ले सकता। इन महिलाओं में शायद ही किसी ने उच्च शिक्षा हासिल की हो, या आधुनिक जीवन शैली को देखा हो, लेकिन इनकी सोच आधुनिक है और महिला अधिकारों को मजबूत करने वाली है। तभी तो एक महिला जिसके पति ने कई साल पहले आत्महत्या कर ली थी, वो दूसरों को सलाह देती है कि रोने से कुछ नहीं होता, केवल आंखों की रौशनी पर असर पड़ता है। जाने वाला चला गया, हम उसके पीछे नहीं मर सकते, हमें तो हिम्मत से दुनिया में रहना है। परामर्श केंद्र में एक महिला अपना अनुभव बताते हुए कहती है कि मैं एक दफ्तर में पानी भरने और सफाई का काम करती थी, लेकिन मैं सैंडल ऐसे खटखट करते चलती थी मानो कोई अफसर हूं। पूरी फिल्म में इस तरह के कई दृश्य हैं, जिन्हें देखकर कहा जा सकता है कि फिल्म घोषित तौर पर किसान आत्महत्या के बाद उनकी विधवाओं के जीवन पर आधारित है, लेकिन असल में यह नारीवाद को भी उतनी ही प्रमुखता से दिखाती है। फिल्म में कई दृश्य बेहद सुंदर तरीके से कैद किए गए हैं और इनसे कई सवाल भी निकलते हैं। जैसे संजीवनी अपने घरवालों के लिए रोटी बना रही है, उससे बार–बार पूछा जा रहा है कि सिलाई केंद्र क्यों जाना है, वो जवाब नहीं दे रही और चूल्हे से उठता धुआं ऊपर पूरे वातावरण में छा रहा है। जिन किसानों ने आत्महत्या की है, उनकी तस्वीरों को दूर से कैप्चर करना या पार्श्व में दिखाना भी एक सुंदर प्रयोग है। एक दृश्य में प्याज को लॉरी से उतारा जा रहा है और सारी प्याज सड़क पर गिराने के बाद खाली हुई जगह में प्याज के छिलकों का हवा में तिरना किसानों के संघर्ष को एक नए किस्म से अभिव्यक्त करता है। एक दृश्य में संजीवनी अपने दोनों बच्चों के साथ बया के घोंसलों को देखती है, चिड़िया अपने घोंसलों में लौट रही हैं और संजीवनी के बच्चे पूछते हैं कि उन्हें कैसे पता कि उनका घर कौन सा है। एक दृश्य में संजीवनी के जेठ नए स्कूल बैग लाते हैं और घर के सभी बच्चे खुश होते हैं कि उनके लिए बैग आए हैं, मगर संजीवनी की बेटी को बैग नहीं मिलता, वो उदास होती है और बहुत पूछने पर संजीवनी के कान में अपनी उदासी का कारण बताती है।

रासायनिक खादों के खतरे और जैविक विकल्प

पवन नागर

मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में किसानों के सामने खाद की किल्लत एक गंभीर समस्या बन गई है। हर साल जब रबी सीजन की शुरुआत होती है, तब किसान अपनी फसलों के लिए जरूरी खादों की तलाश में परेशान हो जाते हैं। अक्टूबर और नवंबर महीने के समाचार–पत्रों के अनुसार, श्डीएपीश (डाई अमोनियम फॉस्फेट) खाद की भारी कमी और उसकी कालाबाजारी के कारण किसानों ने जगह–जगह चक्काजाम तक कर दिए हैं। कई जगहों पर लंबी–लंबी कतारें लगती हैं और किसान इस खाद को पाने के लिए दिन–रात एक कर देते हैं, लेकिन यह समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। सरकार और किसानों के बीच संवाद की कमी और इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदमों की नितांत आवश्यकता है। कृषि में रासायनिक खादों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। विशेष रूप से श्डीएपीश खाद, जिसका उपयोग बीजों के साथ मिलाकर किया जाता है, फसलों की जड़ें मजबूत करता है और पौधों को बढ़ने में मदद करता है। गेहूं, चना, मसूर जैसी रबी फसलों के लिए यह खाद अत्यधिक आवश्यक है। इस खाद की कमी के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और अगर समस्या का समाधान नहीं किया जाता है, तो यह खाद संकट और भी विकराल रूप ले सकता है। हालांकि, सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है, फिर भी पिछले 10 वर्षों में इस दिशा में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आया है। किसान अभी भी रासायनिक खादों के इस्तेमाल पर निर्भर हैं, जिसका परिणाम यह हो रहा है कि हमारे देश की मिट्टी दिन–ब–दिन उर्वरता खोती जा रही है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अधिक इस्तेमाल से मिट्टी की जलधारण क्षमता में कमी आ रही है, जिससे भूमिगत जल–स्तर में भारी गिरावट आई है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट के कारण यह स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। कृषि में रासायनिक खादों का अत्यधिक उपयोग, विशेष रूप से यूरिया और डीएपी न केवल किसानों के लिए आर्थिक संकट पैदा करता है, बल्कि यह देश की कृषि नीति और पर्यावरण के लिए भी खतरा है। यह खाद आयात की जाती है और उस पर भारी सब्सिडी दी जाती है, जिससे सरकार पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। यदि रासायनिक खादों के उपयोग को नियंत्रित किया जाए, तो सरकार का भारी खर्च बच सकता है, साथ ही किसानों को भी इन खादों की कालाबाजारी से मुक्ति मिल सकती है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार को एक ठोस योजना बनानी चाहिए, जिसके तहत हर किसान से कम–से–कम एक एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया जाए। यह योजना न केवल खाद की किल्लत को खत्म करने में मदद करेगी, बल्कि किसानों को शुद्ध और पोषणयुक्त खाद्यान्न भी उपलब्ध कराएगी, जिससे उनकी सेहत में सुधार होगा और उन्हें रासायनिक खादों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। आइए, अब एक उदाहरण से समझते हैं कि प्राकृतिक खेती से किस तरह से रासायनिक खादों की खपत कम की जा सकती है। मान लीजिए कि देशभर में 14 करोड़ किसान हैं और प्रत्येक किसान अपने एक एकड़ खेत में 150 किलोग्राम श्डीएपीश खाद का इस्तेमाल करता है। यदि एक किलोग्राम श्डीएपीश की कीमत 27 रुपये है, तो एक किसान को 150 किलोग्राम श्डीएपीश खरीदने के लिए 4050 रुपये खर्च करने होंगे। यदि हम पूरे देश की 14 करोड़ एकड़ भूमि पर इसका हिसाब करें, तो कुल खर्च 56,700 करोड़ रुपये खर्च होगा। इसी तरह, यूरिया खाद का भी व्यापक उपयोग हो रहा है। यदि प्रत्येक किसान 300 किलो श्यूरियाश प्रति एकड़ इस्तेमाल करता है, तो उस पर भारी खर्च हो रहा है। यदि इसे जोड़ दें तो कुल मिलाकर 79,212 करोड़ रुपये का खर्च रासायनिक खादों पर हो रहा है। इस समस्या का समाधान एक साधारण योजना के माध्यम से किया जा सकता है। अगर किसान अपने एक एकड़ खेत में प्राकृतिक खेती करने के लिए राजी हो जाते हैं, तो न केवल खाद पर होने वाले खर्च में भारी कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा में भी योगदान मिलेगा। इस प्रकार सरकार को किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें इस दिशा में सहायता देने के लिए ठोस योजना बनानी चाहिए। प्राकृतिक खेती के लिए सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करना चाहिए, जिसमें कुछ चयनित जिलों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर दिया जाए। इसके अलावा किसानों को इस योजना में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा सकती है। प्राकृतिक खेती से जुड़े खर्चों की भरपाई के लिए सरकार किसानों को सम्मान निधि या अन्य वित्तीय सहायता प्रदान कर सकती है, ताकि वे इस दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकें। इस योजना का न केवल किसानों पर सकारात्मक असर होगा, बल्कि पर्यावरण और हमारे जीवन स्तर पर भी इसके फायदे होंगे। अगर हम अब भी रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल करते रहेंगे, तो हमारा भविष्य खतरे में पड़ सकता है। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए हमें सरकार और किसान दोनों की ओर से कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। अगर देशभर में कम–से–कम एक एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, तो यह कृषि क्षेत्र के लिए एक नया मोड़ साबित हो सकता है। इसके अलावा, जब किसान इस बदलाव को समझेंगे और इसके लाभ को देखेंगे, तो वे खुद भी रासायनिक खादों का प्रयोग कम करने के लिए प्रेरित होंगे। इस तरह, अगर सरकार और किसान मिलकर प्राकृतिक खेती की दिशा में कदम बढ़ाते हैं, तो न केवल खाद की किल्लत खत्म होगी, बल्कि देश का पर्यावरण भी संरक्षित रहेगा और हम एक स्वस्थ और समृद्ध समाज की ओर कदम बढ़ा सकेंगे। किसानों के सामने खाद की किल्लत, रासायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल और उसके दुष्परिणामों को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें। इस दिशा में ठोस कदम उठाने से न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, बल्कि पर्यावरण की स्थिति भी सुधरेगी। सरकार और किसानों के साथ मिलकर अगर यह कदम उठाया जाए तो हम खाद संकट से निकल सकते हैं और एक स्वस्थ, खुशहाल और आत्मनिर्भर राष्ट्र की ओर बढ़ सकते हैं।

सोनाक्षी सिन्हा के तीखे जवाब पर मुकेश खन्ना ने तोड़ी चुप्पी, बोले- `मुझे खेद है'

मुकेश खन्ना का सोनाक्षी सिन्हा को लेकर दिया गया 'परवरिश' वाला बयान सुर्खियों में है। बयान पर 'दबंग' गर्ल के रिएक्शन के बाद अब मुकेश खन्ना का भी जवाब सामने आया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर 'शक्तिमान' फेम अभिनेता ने मामले पर खेद जताया। मुकेश खन्ना ने मामले को स्पष्ट करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया और स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट शेयर कर कैप्शन में लिखा, षप्रिय सोनाक्षी, मुझे आश्चर्य है कि आपने रिएक्ट करने में इतना समय लगा दिया। मुझे पता था कि मैं 'कौन बनेगा करोड़पति' शो में उस घटना से आपका नाम लेकर आपको नाराज कर रहा था। लेकिन, मैं आपको बता दूं कि मेरा आपको या आपके पिता को बदनाम करने का कोई गलत इरादा नहीं था। आपके पिता मेरे सीनियर हैं और मेरा उनके साथ बहुत सुलझा और अच्छा रिश्ता है। अभिनेता ने कहा, ''मेरा एकमात्र उद्देश्य आज की पीढ़ी जिसे जेन–जेड कहते हैं, जो गूगल और मोबाइल फोन की गुलाम बन गई है और उनका ज्ञान विकिपीडिया और यूट्यूब तक सीमित हो गया है। उन्हें सिखाने के लिए मेरे सामने आपका हाई–फाई मामला था। उन्हें बताने के लिए कि हमारी संस्कृति और इतिहास में बहुत ज्ञान भरा पड़ा है, जिसे आज के हर युवा को जानना चाहिए। अभिनेता ने कहा, युवाओं को सिर्फ जानना ही नहीं, बल्कि उस पर गर्व भी महसूस करना चाहिए। हां, मुझे खेद है कि मैंने अपने इंटरव्यू में इसके बारे में बात की। मगर अब आप निश्चिंत रहें, इसे दोहराया नहीं जाएगा। अपना ख्याल रखें। सोनाक्षी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर उनकी परवरिश पर सवाल उठाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना को जमकर खरी खोटी सुनाई थी। 'रामायण' का जिक्र करते हुए अभिनेत्री ने मुकेश खन्ना को चेतावनी भी दी थी। अभिनेत्री ने लिखा था, " प्रिय मुकेश खन्ना सर जी, मैंने हाल ही में आपका एक बयान पढ़ा। आपने, एक शो में रामायण के बारे में पूछे गए प्रश्न का सही उत्तर न देने पर इसे मेरे पिता की गलती बताई थी और मेरी परवरिश पर सवाल उठाए थे। मैं सबसे पहले आपको

> "
>
> सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर 'शक्तिमान' फेम अभिनेता ने मामले पर खेद जताया। मुकेश खन्ना ने मामले को स्पष्ट करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया और स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट शेयर कर कैप्शन में लिखा, षप्रिय सोनाक्षी, मुझे आश्चर्य है कि आपने रिएक्ट करने में इतना समय लगा दिया। मुझे पता था कि मैं 'कौन बनेगा करोड़पति' शो में उस घटना से आपका नाम लेकर आपको नाराज कर रहा था।

याद दिला दूं कि उस दिन हॉट सीट पर मेरे साथ दो और महिलाएं थीं, जिन्हें उसी प्रश्न का उत्तर नहीं पता था, लेकिन आपने केवल मेरा नाम लिया। अभिनेत्री ने कहा, हां, मैं उस दिन भूल गई और यह एक मानवीय प्रवृत्ति है। मैं भूल गई कि संजीवनी बूटी किसके लिए लाई गई थी, लेकिन स्पष्ट रूप से आप भगवान राम द्वारा सिखाए गए क्षमा और भूल जाने के कुछ पाठ भी भूल गए। अगर भगवान राम मंथरा को माफ कर सकते हैं, अगर वह कैकेयी को माफ कर सकते हैं। अगर वह युद्ध के बाद रावण को भी माफ कर सकते हैं, तो आप इस छोटी सी बात को कैसे भूल सकते हैं। ऐसा नहीं है कि मुझे आपकी माफी चाहिए। लेकिन हां, मैं चाहती हूं कि आप इन बातों को भूल जाएं और एक ही घटना को बार–बार उठाना बंद करें, ताकि मैं और मेरा परिवार इन बातों को लेकर खबरों में आना बंद करे। चेतावनी देते हुए अभिनेत्री ने आगे लिखा था, " अगली बार जब भी आप मेरे पिता द्वारा की गई मेरी परवरिश के बारे में कुछ भी कहने के बारे में सोचें, तो याद रखें कि उन मूल्यों के कारण ही मैंने अपनी बात को सॉफ्ट तरीके से सम्मानपूर्वक कहा। इसके बाद आपने मेरे मूल्यों को लेकर कुछ बेबुनियाद बयान देने का फैसला किया, तो मुझे कठोर होना पड़ेगा।

सलमान खान

बने पहले खो–खो विश्व कप के ब्रांड एंबेसडर

खो–खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने भारतीय सुपरस्टार सलमान खान को खो–खो विश्व कप के पहले संस्करण को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल करने की बुधवार को घोषणा की, जो 13 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 के बीच नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रशिक्षण शिविर में मीडिया के समक्ष यह घोषणा की गई, जिसमें केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, महासचिव एमएस त्यागी के साथ–साथ भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ी और कोच भी शामिल हुए। सलमान ने पहले खो–खो विश्व कप के लिए अपनी खुशी व्यक्त की, खेल के साथ अपने इतिहास को याद किया। मेगा स्टार ने राष्ट्रीय राजधानी में विश्व कप की मेजबानी करने की पहल की प्रशंसा की और कहा कि वह इस खेल को दुनिया भर में फैलते हुए देखकर रोमांचित हैं। सलमान खान ने एक संदेश में कहा, मुझे पहली बार आयोजित होने वाले खो–खो विश्व कप 2025 से जुड़ने पर गर्व है! यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है – यह भारत की मिट्टी, भावना और ताकत को श्रद्धांजलि है। हम सभी ने, जिनमें मैं भी शामिल हूं, अपने जीवन में कभी न कभी खो–खो खेला है। उन्होंने आगे कहा, यह एक ऐसा खेल है जिसमें लगातार एक्शन और निरंतर जोश है, जिसने पहले ही वैश्विक ध्यान आकर्षित कर लिया है। आइए हम सब मिलकर वैश्विक मंच पर खो–खो की आत्मा का जश्न मनाएं। खो–खो विश्व कप में एक हफ्ते तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 21 पुरुष और 20 महिला टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें 24 देश भाग लेंगे और टूर्नामेंट के लिए भारत आएंगे। पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए एक डेमो मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतीक वाइकर, आदित्य गणपुले, रामजी कश्यप, दिलीप खांडवी, सुयश गरगेट, गौतम एम.के., सचिन भार्गव, विशाल, अरुण गुंकी, प्रियंका इंगले, मगई माझी, मुस्कान, मीनू, चेत्रा बी, नसरीन, रेशमा राठौर और निर्मला पांडे जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल थे। यह टूर्नामेंट

एक शानदार आयोजन होगा, जिसमें दुनिया भर के प्रशंसकों को खेल के रोमांच का अनुभव करने का मौका मिलेगा। केकेएफआई सभी खिलाड़ियों को समान अवसर प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है, और इसलिए, पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एक समान मंच स्थापित किया है। केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने सलमान का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी उपस्थिति विश्व कप में और अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। हम सुपरस्टार सलमान खान के प्रति आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हमारे प्रिय मिट्टी के खेल के लिए समय निकाला। खेल के प्रति उनका जुनून वाकई प्रेरणादायक है और हमें पूरा विश्वास है कि वे आगामी विश्व कप के प्रति पूरे देश की रुचि जगाएंगे। हमने खो–खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण को एक शानदार सफलता बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और हम प्रशंसकों को यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि हमने उनके लिए क्या रखा है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने आधिकारिक तौर पर भारतीय खो–खो महासंघ (केकेएफआई) के साथ अपनी साझेदारी की पुष्टि की है और इस आयोजन के लिए अटूट समर्थन का वादा किया है।

महाकुंभ 2025: शाही स्नान में शामिल होंगी ममता कुलकर्णी, लगाएंगी डुबकी

हाल ही में 25 साल बाद भारत लौटीं बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी महाकुंभ में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर बताया कि वह शाही स्नान में शामघ्लि होंगी और गंगा में डुबकी लगाएंगी। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली अभिनेत्री ममता ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह शाही स्नान और महाकुंभ के बारे में बात करती नजर आईं। क्लिप में अभिनेत्री कहती नजर आईं, "नमस्ते दोस्तों, शुभ प्रभात, मैं कल दुबई वापस जा रही हूं और जनवरी में मैं कुंभ मेले में शामिल होने के लिए आऊंगी। मैं इलाहाबाद में शाही स्नान करने और डुबकी लगाने के लिए वापस आऊंगी। तब तक आप सभी अपना ख्याल रखिए। मैं अपने सभी प्रशंसकों की आभारी हूं जिन्होंने मुझे ढेरों प्यार दिया और मुझे इतना प्यार देने के लिए आप सभी का बहुत–बहुत धन्यवाद। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर ममता ने भारत आने की जानकारी दी थी। क्लिप में कुलकर्णी कहती नजर आई थीं, हेलो दोस्तों, मैं ममता कुलकर्णी 25 साल बाद भारत आमची मुंबई लौटी हूं। यहां आकर मेरी पुरानी यादें ताजा हो गईं। फ्लाइट के उतरने से पहले मैं बहुत उत्साहित थी और अपने इधर–उधर देख रही थी। उन्होंने सालों बाद भारत लौटने के अपने अनुभव के बारे में बताया, मैंने अपने देश को करीब 25 साल बाद ऊपर से देखा। यह देखकर मैं भावुक हो गई थी। मेरी आंखों में आंसू आ गए थे। मैंने जब मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बाहर कदम रखा तो मैं बेहद खुश और उत्सुक थी।

निक जोनास की इस हरकत से नाराज हुए फैंस, प्रियंका से बोले–अपने पति को करो कंट्रोल नहीं तो...

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास के प्रशंसक उनके पति, गायक–गीतकार निक जोनास से उनके हालिया ट्वीट के बाद नाराज नजर आ रहे हैं जो अरबपति एलन मस्क को लेकर है। कुछ दिनों पहले टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क जो दुनिया के सबसे अमीर आदमी भी हैं, ने टेस्ला ओनर्स सिलिकॉन वैली के एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें कहा गया था कि डोनाल्ड ट्रम्प के 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के मद्देनजर कंपनी का लाभ बढ़ा है। एलन ने ट्वीट को लोकप्रिय जोनास ब्रदर्स मीम के साथ फिर से शेयर किया, जिसमें निक जोनास और केविन जोनास एक टेबल घुमा रहे थे, जब जो जोनास ने प्रवेश किया। एलन ने लिखा– अरे, टेबल कैसे पलट गई। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए, निक ने एलन मस्क की उंगली दिखाते हुए एक तस्वीर साझा की और यह भी लिखा–हमें वर्ष 3000 में ले चलो। यह ट्वीट कुछ ही समय में वायरल हो गया और इसे 27.1 मिलियन बार देखा गया। हालांकि, इससे निक जोनास और प्रियंका के प्रशंसक नाराज हो गए, जिन्होंने इस ट्वीट को निक द्वारा एलन मस्क का समर्थन करने के रूप में समझा। ऐसे में एक यूजर ने लिखा– क्या यह ट्रम्प पोस्ट है?! /प्रियंका चोपड़ा अपने आदमी को पकड़ो। एक अन्य ने लिखा– प्रियंका कृप्या अपने पति को नियंत्रण में रखो। बाद में निक ने एक्स पर अपने क्रिसमस समारोह से प्रियंका चोपड़ा के साथ एक तस्वीर साझा की। निक द्वारा एलन का समर्थनश करने पर प्रतिक्रिया वहां भी जारी रही। ऐसे में एक यूजर ने लिखा–प्रियंका कृपया इस आदमी से फोन ले लें इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। एक अन्य ने देसी गर्ल को नसीहत दी–प्रियंका...लड़की, भागो। प्रियंका और निक ने 1 और 2 दिसंबर, 2018 को जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में ईसाई और हिंदू परंपराओं के अनुसार शादी की। उन्होंने दो शादी के रिसेप्शन आयोजित किए, एक दिल्ली में और दूसरा मुंबई में। उन्होंने जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी का स्वागत किया। इस साल की शुरुआत में, अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट द ब्लफ के सेट पर काम करते हुए जन्मदिन मनाया।

शिमला विंटर कार्निवल में धमाल मचाएंगे पंजाबी गायक सतिंदर सरताज

हिमाचल प्रदेश में 24 दिसंबर से शुरू होने वाले विंटर कार्निवल में बॉलीवुड, पंजाबी कलाकारों के अलावा हिमाचल के कलाकार भी अपनी कला से समां बांधते नजर आएंगे। शिमला में आयोजित कार्निवल में मशहूर पंजाबी गायक सतिंदर सरताज भी शिरकत करेंगे। शिमला में दस दिन तक चलने वाले विंटर कार्निवल में पंजाबी गायक सतिंदर सरताज के साथ ही एक शाम नाटी किंग कुलदीप शर्मा भी रंग जमाएंगे। नगर निगम महापौर सुरेंद्र चौहान ने बताया कि प्रदेश के कलाकारों को भी कार्निवल में बुलाया जाएगा। 'इंडियन आइडल' फेम नेहा दीक्षित भी विंटर कार्निवल में शिरकत करेंगी। इसके अलावा कई बड़े बॉलीवुड और पंजाबी कलाकारों से बात की जा रही है। सुरेंद्र चौहान ने बताया, " विंटर कार्निवल को लेकर मुख्यमंत्री के साथ बैठक हुई है। इस बार का आयोजन भव्य और ऐतिहासिक होने जा रहा है। दस दिन तक चलने वाले विंटर कार्निवल के लिए कार्यक्रमों की सूची लगभग तैयार है। इसमें फैशन शो, बेबी शो, बुजुर्गों का फैशन शो, गायन प्रतियोगिता समेत अन्य प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। चौहान ने बताया, इसके अलावा सभी जिलों के लोक कलाकार प्रस्तुतघि देंगे। पुलिस और होमगार्ड बैंड की भी प्रस्तुति होगी। नगर निगम, जिला प्रशासन, भाषा एवं संस्कृति विभाग, पुलिस विभाग विंटर कार्निवल का आयोजन कर रहे हैं। इस बार का कार्निवल यादगार होगा। इसमें स्थानीय कलाकार भी अपना जलवा बिखेरेगें। खास बात है कि इस बार युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए स्पोर्ट्स एक्टिविटी भी करवाई जाएगी। विंटर कार्निवल से होने वाले फायदे को लेकर उन्होंने कहा, विंटर कार्निवल से टूरिज्म को बढ़ावा मिलता है, बीते वर्ष भी 100 करोड़ से ज्यादा कमाई हुई। इस बार विंटर कार्निवाल और भी भव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है। इससे स्थानीय कारोबारियों को भी फायदा होगा।

शरीर में दिखे ये लक्षण तो हो जाएं सतर्क, लिवर हो सकता है 75फीसदी खराब

शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक लिवर भी है। बाकी अंगों की तरह लीवर को स्वस्थ रखना भी आवश्यक है। खराब लाइफस्टाइल और गलत खान–पान के कारण फैटी लिवर की समस्या हो सकती है। इस समस्या में लिवर का आकार निरंतर बढ़ता जाता है। फैटी लिवर से ग्रस्त व्यक्ति के पाचन की क्षमता भी कमजोर हो जाती है। यह समस्या लिवर को इतना नुकसान पहुंचाती है कि लिवर धीरे–धीरे खराब होना शुरु हो जाता है। ऐसी समस्या में लिवर ट्रांस्पलांट के अलावा कोई दूसरा रास्ता भी नहीं बचता। 75: लिवर खराब होने पर आपके शरीर में यह संकेत दिख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

75: लिवर खराब होने के संकेत

.शरीर में कमजोर और थकान महसूस होना

. भोजन पचाने की क्षमता कम होना

. वजन का कम होना

. पेट में दर्द रहना

. पेट के ऊपरी हिस्से में दाहिनी ओर सूजन होना

. मतली होना

किस समय दिखते हैं ये लक्षण?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, फैटी लिवर के शुरुआत में कुछ लक्षण नहीं दिखते परंतु जब आपका लिवर 75: तक खराब हो जाता है तो शरीर में कुछ लक्षण दिखने शुरु हो सकते हैं। जैसे–जैसे यह समस्या बढ़ती जाती है लक्षण भी ज्यादा होने लगते हैं। इसी कारण रोगी को फैटी लिवर की समस्या का तब पता चलता है जब उसका लिवर 75: तक खराब हो जाता है।

ज्यादातार इस उम्र में चलता है बीमारी का पता

गलत खान–पान और व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण फैटी लिवर की समस्या होती है। लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह अवश्य लें और इसका पूरे तरीके से इलाज करवाएं। ज्यादातर बीमारी के लक्षण 40–60 की उम्र में दिखाई देते हैं।

एडवांस समस्या से भी परेशान हैं कई लोग

जब तक लोगों को फैटी लिवर की समस्या का पता चलता है तब तक लोग इस बीमारी के एडवांस लेवल तक पहुंच जाते हैं। इसी कारण रोगी का इलाज भी मुश्किल हो जाता है और खाना न पचा पाने के कारण यह समस्या ज्यादा बड़ी हो जाती है, जिसके कारण रोगी का बचनी भी मुश्किल हो जाता है।

चश्मे के कवर को इन तरीकों से भी किया जा सकता है इस्तेमाल

आज के समय में हर कोई चश्मे का इस्तेमाल जरूर करता है। जहां कुछ लोग नजर कमजोर होने के कारण चश्मे का इस्तेमाल करते हैं तो कुछ लोगों के लिए यह एक फैशन स्टेटमेंट है। इसलिए, वे सनग्लासेस को अपने लुक का हिस्सा बनाते हैं। आमतौर पर, ये चश्मे किसी बॉक्स में आते हैं। एक समय के बाद जब चश्मा टूट जाता है या फिर खराब व पुराना हो जाता है तो हम उसे बाहर कर देते हैं, लेकिन उसका बॉक्स ऐसे ही रह जाता है। हालांकि, अगर आप चाहें तो इस खराब समझे जाने वाले बॉक्स को भी कई तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस बारे में बता रहे हैं–

चार्जर लीड को करें आर्गेनाइज

अक्सर हम सभी के घर में कई फोन होते हैं और उनकी अलग–अलग चार्जर लीड होती हैं। अमूमन हम उन्हें ऐसे ही इधर–उधर रख देते हैं। हालांकि, अगर आप चाहें तो चश्मे के कवर की मदद से चार्जर लीड को आसानी से आर्गेनाइज करके रख सकती हैं।

रखें इयररिंग्स

आप अपनी छोटी–छोटी एक्सेसरीज जैसे इयररिंग्स या रिंग्स आदि को भी इसमें आसानी से रख सकती हैं। इस तरह आपकी एक्सेसरीज ना तो खोएगी और ना ही खराब होगी। इतना ही नहीं, अगर आप इन्हें इस छोटे बॉक्स में रखती हैं तो इससे आपके लिए इसे कहीं पर भी ले जाना काफी आसान हो जाएगा।

स्टेशनरी आइटम्स

वर्क डेस्क पर हमें कई तरह की स्टेशनरी आइटम्स की जरूरत पड़ती है। अमूमन हम इन्हें डेस्क पर ही रखते हैं, लेकिन अगर आपकी डेस्क छोटी है तो ऐसे में आप उस स्टेशनरी आइटम्स को चश्मे के कवर बॉक्स में रख सकते हैं। यह स्टेशनरी आइटम्स रखने का एक स्पेस सेविंग तरीका है।

इमरजेंसी सिलाई किट

आप चश्मे के कवर बॉक्स को एक मिनी इमरजेंसी सिलाई किट में बदलें। आप इसमें धागे से लेकर सुइयों, सेफ्टी पिन और कुछ बटनों को रखना चाहिए। इस तरह आप जरूरत पड़ने पर बिना किसी परेशानी के सिचुएशन को हैंडल कर पाएंगे।

दूध में घी डालकर पीने से मिलेंगे ये फायदे, इम्यूनिटी भी बनेगी मजबूत

डेली रुटीन में ऐसी कई चीजें होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकती है। अच्छी सेहत के लिए सभी दूध भी जरुर पीते हैं। दूध पीना स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है परंतु यदि इसमें देसी घी डालकर पिया जाए तो सेहत को और भी कई तरह के फायदे हो सकते हैं। आपने हल्दी वाला दूध पिया होगा और इसके फायदे भी सुने होंगे लेकिन क्या आपने देसी घी वाला दूध पिया है? यदि नहीं तो आज आपको इस आर्टिकल के जरिए दूध में घी डालकर पीने के फायदों के बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं....

पाचन होगा स्वस्थ

एक्सपर्ट्स की मानें तो दूध में एक चम्मच देसी घी मिलाकर पीने से पाचन सुधरता है। इससे पेट से जुड़ी समस्याएं नहीं झेलनी पड़ती और वजन कम करने में भी मदद मिलती है। यदि आपको कब्ज की समस्या रहती है तो आप गाय के दूध में घी मिलाकर पिएं।

एसिडिटी होगी दूर और इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

दूध में देसी घी डालकर पीने से अल्सर और एसिडिटी की समस्या खत्म होती है। इसके अलावा जलन की समस्या से भी राहत मिलती है। दूध में देसी घी डालकर पीने से इम्यूनिटी मजबूत बनती है। घी आंतों के लिए बेहद फायदेमंद होता है और दूध के साथ इसका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

सर्दी जुकाम से मिलेगी राहत

आयुर्वेद के अनुसार, घी और दूध का मिश्रण अमृत से कम नहीं होता। इसका सेवन करने से सर्दी–जुकाम जैसी परेशानियां दूर होती हैं और इम्यूनिटी पॉवर मजबूत होती है। नियमित रुप से इस मिश्रण का सेवन करने से शरीर को और भी कई फायदे मिलते हैं।

जोड़ों का दर्द होगा दूर

यदि आपके जोड़ों में दर्द रहता है तो दूध में देसी घी मिलाकर पिएं। घी जोड़ों की चिकनाई बढ़ाता है और सूजन कम करता है। इसमें पाया जाने वाला ओमेगा–3 और ओमेगा–6 फैटी एसिड पाया जाता है। इसके अलावा दूध में मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती देता है इससे पैरों की अकड़न भी दूर होती है।

शरीर को मिलेगी ताकत

दूध के साथ देसी घी पीने से शारीरिक ताकत बढ़ती है। इसका सेवन करने से आप लंबे समय तक कोई भी काम आसानी से कर सकते हैं, मांसपेशियां मजबूत बनती हैं, दूध पीने से हड्डियां और दांत भी मजबूत और हेल्दी बने रहते हैं।

स्किन बनेगी ग्लोइंग

इस मिश्रण का सेवन करने से स्किन का रुखापन और चमक भी आती है। ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि स्किन ग्लोइंग बने तो आप इस मिश्रण का सेवन कर सकते हैं।

विंटर में ड्राई स्कैल्प की समस्या को दूर करने के लिए अपनाएं ये उपाय

सर्दी के दिनों में ठंडी हवाएं ना केवल स्किन बल्कि स्कैल्प की नमी भी छीन लेती हैं। जिसके कारण स्कैल्प का रूखापन इस मौसम में काफी बढ़ जाता है। अमूमन इस मौसम में स्कैल्प ड्राईनेस के कारण खुजली, ड्रैंडफ आदि की समस्या बढ़ने लगती है। हम सभी अपने बालों की बेहतर केयर करने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ बेसिक बातों का ध्यान रखना भूल जाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे कुछ आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ड्राई स्कैल्प की समस्या को आसानी से दूर कर सकते हैं–

लगाएं मास्क

विंटर में ड्राई स्कैल्प की समस्या से निजात पाने के लिए उसकी नमी को बनाए रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप सप्ताह में एक बार डीप कंडीशनिंग हेयर मास्क जरूर लगाएं। इसके अलावा, आप ऐसे हेयर प्रोडक्ट्स को चुनें, जो आपकी स्कैल्प को नेचुरली मॉइश्चराइज करने में मदद करते हों।

ऑयलिंग है जरूरी

विंटर स्कैल्प ड्राईनेस को मैनेज करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने बालों को हॉट ऑयल मसाज दें। दरअसल, जब आप बालों व स्कैल्प में ऑयलिंग करते हैं तो इससे उन्हें नरिशमेंट मिलता है। साथ ही साथ, रूखापन भी काफी हद तक कम होता है। आप हेयर वॉश करने से पहले हॉट ऑयल मसाज कर सकते हैं।

एलोवेरा का करें इस्तेमाल

अगर आपको विंटर में स्कैल्प ड्राईनेस के कारण परेशान होना पड़ रहा है तो ऐसे में एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। यह आपकी स्कैल्प को नेचुरली मॉइश्चराइज करने में मदद करेगा। आप शैम्पू करने से पहले इसे अपनी स्कैल्प पर लगाएं। यह आपके स्कैल्प को हाइड्रेटेड रखने में मदद करेगा, ड्राई स्कैल्प से छुटकारा पाने में मदद करेगा।

सेब के सिरके से करें रिंस

आप एक हिस्सा एप्पल साइडर विनेगर और दो भाग पानी को एक साथ मिलाएं। अब शैम्पू करने के बाद इससे अपने बालों को रिंस करें। यह ना केवल स्कैल्प के पीएच को बैलेंस करने में मदद करेगा, बल्कि इससे स्कैल्प ड्राईनेस भी काफी हद तक कम होगी।

वेडिंग सीजन में हाथों पर लगाएं मेहंदी की ये ट्रेंडी डिजाइन, लगेंगी सबसे खूबसूरत

मेहंदी हमारे हाथों को ज्यादा सुंदर बना देती है। वैसे तो मेहंदी लगाने का शौक हर लड़की को होता है। इसलिए किसी भी खास मौके या त्योहार आदि पर लड़कियां हाथों में मेहंदी जरूर लगवाती हैं। कई बार हम ऑनलाइन मेहंदी की डिजाइन सर्च करते हैं। जिससे कि कुछ नए डिजाइन की मेहंदी हाथों पर लगवा सकें। खासपर शादी जैसे मौके पर हर लड़की अपने हाथों पर अच्छी डिजाइन वाली महेंदी लगाना चाहती है। ऐसे में अगर आप भी कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ बेहद खूबसूरत मेहंदी डिजाइन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जो हाथों पर लगने के बाद काफी अच्छी लगती है।

लोटस डिजाइन वाली मेहंदी

कई लोगों को भरे हाथों वाली मेहंदी अच्छी लगती है। ऐसे में आप एक बार लोटस डिजाइन वाली मेहंदी ट्राई कर सकती हैं। इस डिजाइन में आपके हाथों पर बड़े–बड़े लोटस के डिजाइन बनते हैं। इसके अलावा हाथी, मोर और लटकन वाली डिजाइन भी बनाई जाती हैं। अगर आप चाहें तो हाथों पर जाली वाली डिजाइन भी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन न सिर्फ लगने पर काफी अच्छे लगते हैं, बल्कि हाथों को अधिक खूबसूरत बनाने का काम करते हैं। अगर आपकी शादी होने वाली है, तो ब्राइड भी यह मेहंदी लगवा सकती है। वहीं मार्केट में लगवाने पर आपको इस डिजाइन के 3000 से 5000 रुपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं।

लगाएं जाल मेहंदी डिजाइन

हाथों के आगे ही नहीं बल्कि पीछे भी मेहंदी की डिजाइन काफी अच्छी होनी चाहिए। इसके लिए आप हाथ के पीछे जाल वाली डिजाइन बना सकती हैं। इसके अलावा आप हाथों के पीछे फूलों का डिजाइन भी बनवा सकती हैं। फिर जाल की पत्तियों के डिजाइन से पूरे हाथ को भर सकती हैं। इससे आपके हाथ पहले से अधिक सुंदर लगेंगे। बता दें कि यह डिजाइन आजकल ट्रेंड में है। मार्केट में यह डिजाइन 3000 से 5000 रुपए तक में बनवा सकती हैं।

ट्रेंड में है मिनिमल मेहंदी डिजाइन

मिनिमल मेहंदी डिजाइन आजकल काफी ज्यादा ट्रेंड में है। ऐसे में आप इस तरीके की मेहंदी डिजाइन से भी अपने हाथों को सजा सकती हैं। इस डिजाइन में आधी हथेली पर जाली और पत्ती की डिजाइन बनाई जा सकती है। वहीं आधी हथेली पर लटकन बनाई जाती है। वहीं उंगलियों को जाली या छोटे–छोटे फूल की डिजाइन से सजाया जा सकता है। इस तरह की मेहंदी अगर आप मार्केट में लगवाती हैं, तो आपको 500 से 1000 रुपए खर्च करने होंगे।

इन बातों का रखें खास ख्याल

मेहंदी लगवाने के दौरान इस बात का खास ख्याल रखें कि कहीं आपको किसी तरह की स्किन एलर्जी तो नहीं है।

मेहंदी लगवाने के फौरन बाद हाथ पर पानी न डालें।

मेहंदी के सूखने के बाद उसे झाड़ने की बजाय हाथों पर सरसों का तेल अप्लाई करें।

अगर आप भी शादी में इनमें से कोई भी मेहंदी डिजाइन हाथों पर लगाती हैं, तो हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

संक्षिप्त

अगले साल के लिए अपनी उम्मीदों को कुछ कम करें शेयर बाजार निवेशक : एचडीएफसी सिक्योरिटीज

मुंबई, एजेंसी। कई साल के तेजड़िया दौर के बाद अब इक्विटी निवेशकों को वर्ष 2025 में अपने रिटर्न या प्रतिफल की उम्मीदों को कुछ कम करने की जरूरत है। एक घरेलू ब्रोकरेज कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला निफ्टी वर्ष 2025 के अंत में 26,482 अंक पर रहने की उम्मीद है, जो बृहस्पतिवार के 23,951.70 अंक के बंद स्तर से 10 प्रतिशत से अधिक की छलांग है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी धीरज रेली ने कहा कि 2025 में किसी भी अन्य परिसंपत्ति वर्ग की तुलना में शेयरों का प्रदर्शन बेहतर होगा, और भारत की दीर्घकालिक कहानी भी बरकरार है। रेली ने कहा, ''अबतक कई वर्षों से, बाजारों ने उच्च लाभ सुनिश्चित किया है। नए साल में, निवेशकों को अपनी उम्मीदों को कम करना होगा।'' रेली ने कहा कि बाजार में अधिकांश निवेशक वे हैं, जिन्होंने वर्ष 2020 के बाद बाजार में प्रवेश किया है और उन्होंने अपनी निवेश यात्रा में कभी भी तेज गिरावट नहीं देखी है।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने स्टारबक्स के भारत से बाहर निकलने की खबरों को खारिज किया

नयी दिल्ली । टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने भारतीय बाजार से रेस्तरां शृंखला स्टारबक्स के बाहर निकलने की खबरों का खंडन करते हुए उन्हें 'निराधार' बताया। टाटा, अमेरिका स्थित स्टारबक्स कॉरपोरेशन के साथ 50रू50 संयुक्त उद्यम में स्टारबक्स ब्रांड नाम के तहत भारत में शृंखला का संचालन करती है। सितंबर के अंत तक स्टारबक्स के 70 शहरों में 457 स्टोर थे और कंपनी का लक्ष्य

वित्त वर्ष 2027–28 तक इसे 1,000 तक ले जाने का है। वित्त वर्ष 2023–24 में कंपनी की परिचालन आय 12 प्रतिशत बढ़कर 1,218.06 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, विस्तार के कारण इस अवधि में इसका घाटा वित्त वर्ष 2022–23 में 24.97 करोड़ रुपये से बढ़कर 79.97 करोड़ रुपये हो गया। व्यापार आसूचना मंच टॉफलर के माध्यम से प्राप्त वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, इसका विज्ञापन प्रचार खर्च 26.8 प्रतिशत बढ़कर 43.20 करोड़ रुपये हो गया और रॉयल्टी 86.15 करोड़ रुपये रही। पिछले महीने टीसीपीएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुनील डिसूजा ने पीटीआई–को बताया था कि वह यहां स्टारबक्स शृंखला को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे और स्टोर की लाभप्रदता पर विचार नहीं कर रहे हैं।

ओला इलेक्ट्रिक का बड़ा धमाका, इस क्रिसमस पर 4,000 नए स्टोर खोलने के लिए तैयार

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी देश भर में 4000 से अधिक नए स्टोर खोलने के लिए तैयार हो चुकी है। कंपनी ने इस संबंध में 19 दिसंबर को बयान जारी किया है। इस बयान में कहा कि कंपनी भारत में कई स्टोर खोलेगी। ओला भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी है। कंपनी अब 25 दिसंबर को क्रिसमस के दिन अपने स्टोरों का विस्तार करने वाली है। कंपनी 4000 नए स्टोर खोलेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ओला इलेक्ट्रिक 25 दिसंबर को अपने बिक्री और सेवा नेटवर्क को 4000 तक विस्तार करेगी। इस कदम से ओला हर भारतीय

के करीब जाने का प्रयास करेगी। इन स्टोर की मदद से ये भी कोशिश होगी कि ग्राहकों को बिक्री और बिक्री के बाद भी सहायता मिले। जानकारी के मुताबिक ओला इलेक्ट्रिक महानगरों, टियर–2 और टियर–3 शहरों में उपभोक्ताओं के लिए किफायती, उच्च गुणवत्ता वाले ईवी के अपने पोर्टफोलियो को ला रहा है। कंपनी के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा, ष्हर कस्बे, हर शहर, हर तहसील या तालुका में एक ओला इलेक्ट्रिक स्टोर और एक ओला इलेक्ट्रिक सेवा केंद्र होगा, ताकि हर एक भारतीय अपने भविष्य के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन खरीद सके।ष स्टोर्स और सेवा केंद्रों के विस्तारित नेटवर्क से कंपनी को ग्राहक सेवा संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी। भाविश अग्रवाल ने कहा, ष्इलेक्ट्रिक वाहनों से आप हर महीने 4,000 रुपये बचाएंगे। इस बचत वाले स्कूटर से आपकी बचत बढ़ेगी और आप पैसे भी बचाएंगे। ओला के शेयर अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर से लगभग 40 प्रतिशत नीचे हैं और अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से 30 प्रतिशत ऊपर हैं। आज यह 95.15 प्रति शेयर पर बंद हुआ। इस साल स्वतंत्रता दिवस पर, ओला इलेक्ट्रिक, जो उस समय अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए चर्चा में थी, ने इलेक्ट्रिक बाइक के तीन मॉडल – रोडस्टर प्रो, रोडस्टर और रोडस्टर एक्स का अनावरण किया। इसने अगले वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से अपने वाहनों में ओला की अपनी बैटरी को एकीकृत करने का भी संकेत दिया था। वर्ष 2017 में निगमित, इसने दिसंबर 2021 में ओला का पहला इलेक्ट्रिक वाहन स्कूटर, ओला एस1 प्रो वितरित किया।

भारत ने वेस्टइंडीज को 60 रन से हराकर टी20 जीती, रिचा और स्मृति ने ठोका अर्धशतक

रिचा घोष (54) ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18 गेंद में सबसे तेज अर्धशतक के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (77) ने भी अर्धशतक जड़ा जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को यहां तीसरे और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 60 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2–1 से अपने नाम की। भारतीय महिला टीम ने अक्टूबर 2019 के बाद घरेलू सरजमीं पर पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती है। भारत के 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम नौ विकेट पर 157 रन ही बना सकी। चिनेल हेनरी 16 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों से 43 रन बनाकर टीम की शीर्ष स्कोरर रहीं जबकि डिएंड्रा डोटिन (25) और कप्तान हेली मैथ्यूज (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। मेजबान टीम की तरफ से स्पिनर राधा यादव ने 29 रन देकर चार विकेट चटकाए। भारत ने इससे पहले रिचा और स्मृति की पारियों से चार विकेट पर 217 रन बनाए जो इस प्रारूप में टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। इस प्रारूप में इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ स्कोर पांच विकेट पर 201 रन था जो उसने इसी साल एशिया कप में यूएई के खिलाफ बनाया था। इक्कीस साल की रिचा ने 21 गेंद की अपनी पारी में पांच छक्के और तीन चौके मारे जबकि स्मृति ने47 गेंद का सामना करते हुए 13 चौके और एक छक्का जड़ा। रिचा ने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन और ऑस्ट्रेलिया की फोएबे लिचफील्ड के सबसे तेज अर्धशतक अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। स्मृति ने श्रृंखला का लगातार तीसरा और साल का आठवां अर्धशतक जड़ते हुए इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप की सबसे सफल बल्लेबाज बनी। उनके नाम इस साल 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 763 रन दर्ज हैं। स्मृति ने सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू को पीछे छोड़ा। लक्ष्य का पीछा करने उतरे वेस्टइंडीज ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कोई बड़ी साझेदारी नहीं कर पाई। डोटिन और मैथ्यूज ने अच्छी शुरुआत के बाद अपने विकेट गंवाए। मैथ्यूज को स्पिनर राधा यादव ने सजीवन सजना के हाथों कैच कराया जबकि डोटिन

ने टिटास साधु की गेंद पर राधा को कैच थमाया। हेनरी ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए वेस्टइंडीज की उम्मीद जगाई। उन्होंने 14वें ओवर में दीप्ति शर्मा की लगातार गेंदों पर चौका और दो छक्के मारे। रेणुका सिंह ने हालांकि अगले ओवर में हेनरी को राघवी बिष्ट के हाथों कैच कराके वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दिया। वेस्टइंडीज को अंतिम पांच ओवर में 85 रन की दरकार थी लेकिन टीम लक्ष्य से काफी दूर रही। इससे पहले दूसरे टी20 में पर्याप्त स्कोर बनाने के नाकाम रहने के बाद भारत ने निर्णायक मुकाबले में शुरुआत से ही लगभग 10 रन प्रति ओवर की गति से रन बनाए। टीम ने पहले ओवर में ही उमा छेत्री (00) का विकेट गंवा दिया जो चिनेल हेनरी (14 रन पर एक विकेट) का शिकार बनीं। स्मृति ने जेमिमा रोड्रिग्स (28 गेंद में 39 रन, चार चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 गेंद में 98 रन की साझेदारी करके पारी को संवारा। जेमिमा ने भी धीमी की शुरुआत के बाद कुछ आकर्षक शॉट खेले। ऐफी फ्लेचर (25 रन पर एक विकेट) ने जेमिमा को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए राघवी बिष्ट (22 गेंद में नाबाद 31 रन, दो चौके, एक छक्का) ने अपने दूसरे ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में छाप छोड़ी। उन्होंने करिश्मा रामहरक पर छक्के के रूप में अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय बाउंड्री लगाई और विकेट के दोनों तरफ रन बनाए। स्मृति हालांकि एक बार फिर शतक से चूक गई। उन्होंने 15वें ओवर में डिएंड्रा डोटिन (54 रन पर एक विकेट) की गेंद पर हेनरी को कैच थमामया। भारत ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाज रिचा को दीप्ति शर्मा से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा और उन्होंने टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई तथा यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में मौजूद 40 हजार से अधिक दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

आखिरी दो टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, लंबे समय बाद हुई इस खिलाड़ी की वापसी

ओपनर रहे नेथन मैक्सवीनी को ड्रॉ कर दिया गया है। उनकी जगह 19 साल के सैम कोंसटास को टीम में जगह मिली है। उन्हें डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि, सैम को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उसकी बल्लेबाजी की शैली अलग है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ आखरी दो टेस्ट मैचों के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 70 में पहली बार 19 साल के बल्लेबाज को टीम में जगह दी है। इसके अलावा तीन साल बाद दिग्गज खिलाडी की टीम में वापसी भी हुई है। बता दें कि, आखिरी दो टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने बदलाव करके बड़ा जोखिम उठाया है। वहीं पिछले तीन मैचों में टीम के ओपनर रहे नेथन मैक्सवीनी को ड्रॉ कर दिया गया है। उनकी जगह 19 साल के सैम कोंसटास को टीम में जगह मिली है। उन्हें डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि, सैम को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उसकी बल्लेबाजी की शैली अलग है। हमें विश्वास है कि नाथन के पास काबिलियत है और उसे भविष्य में टेस्ट क्रिकेट में और मौके मिलेंगे। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था। पर्थ में पहले टेस्ट में डेब्यू करने वाले 25 वर्षीय मैकस्वीनी एक भी फिफ्टी नहीं जड़ पाए और 6 पारियों में 10, 0, 39, नाबाद 10 और 9 और चार स्कोर किया। झाय रिचर्डसन को मिला मौका साथ ही तीन साल बाद तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन को टीम में मौका मिला है। वहीं सीन एबट भी वापस आए हैं। तसमानिया के अनकैप्ड ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को भी टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने के बाद सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह स्कॉटलैंड बोलैंड को मौका मिलेगा। बता दें कि, झाय रिचर्डसन ने बीते एक साल में केवल एक ही फर्स्ट क्ला मैच खेला है।

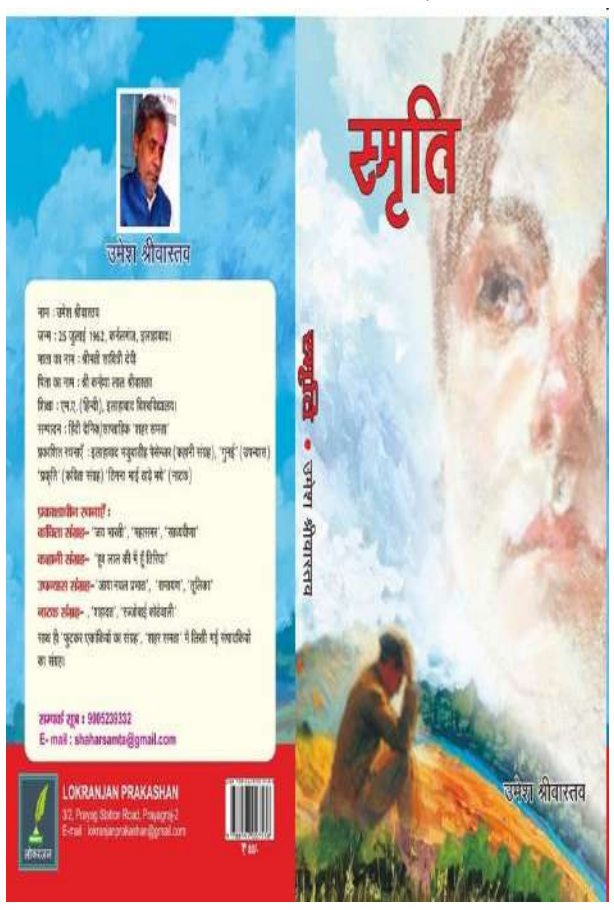

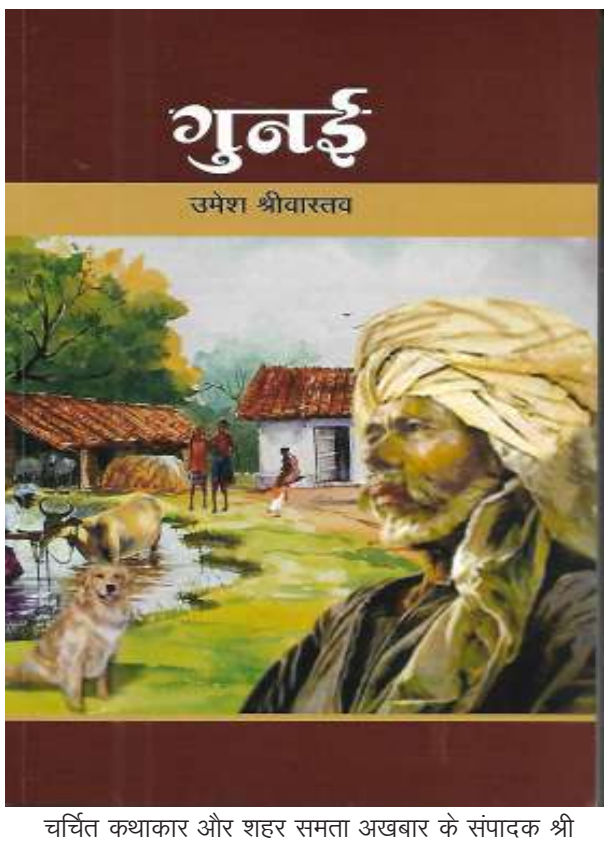

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

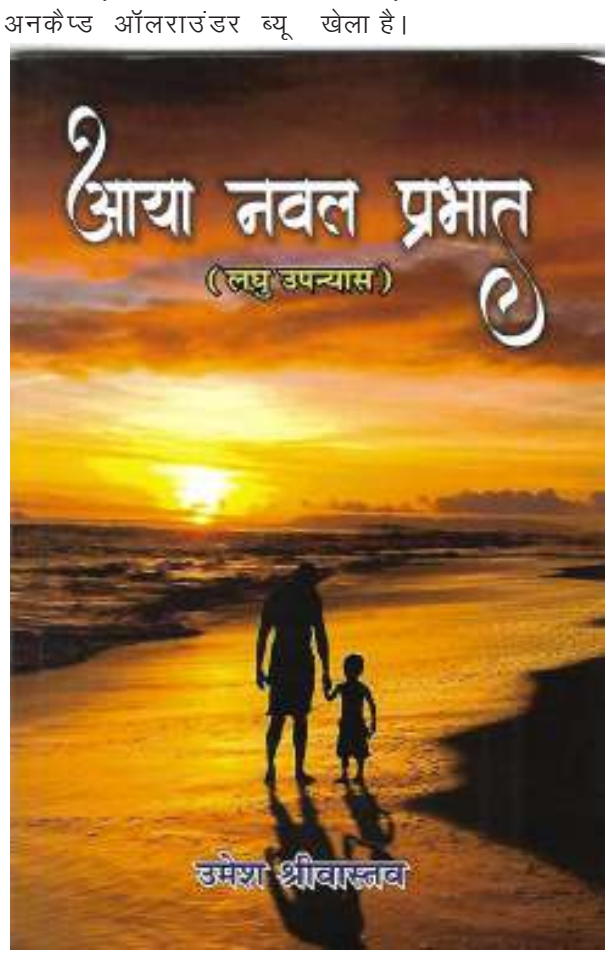

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

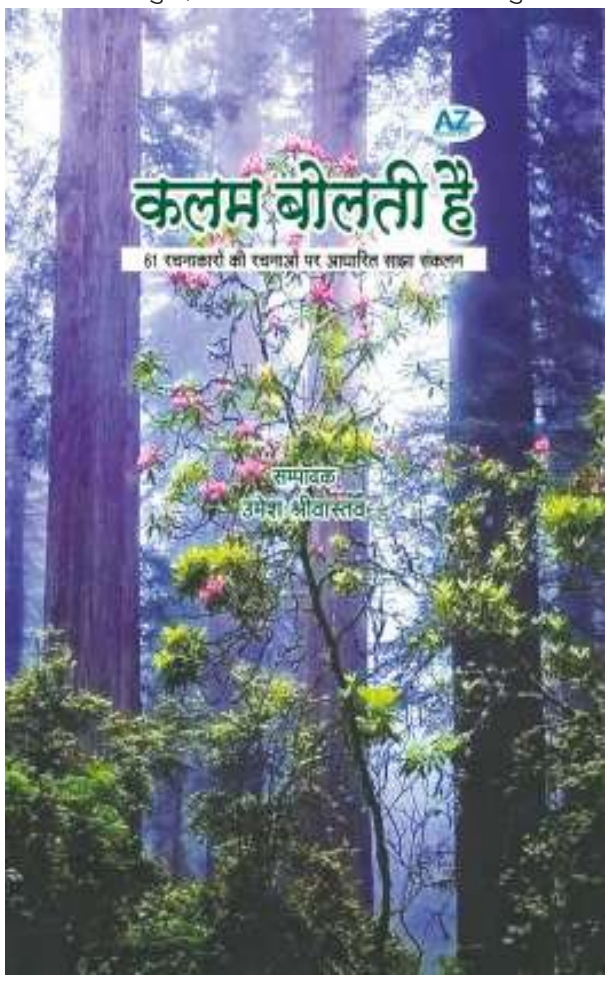

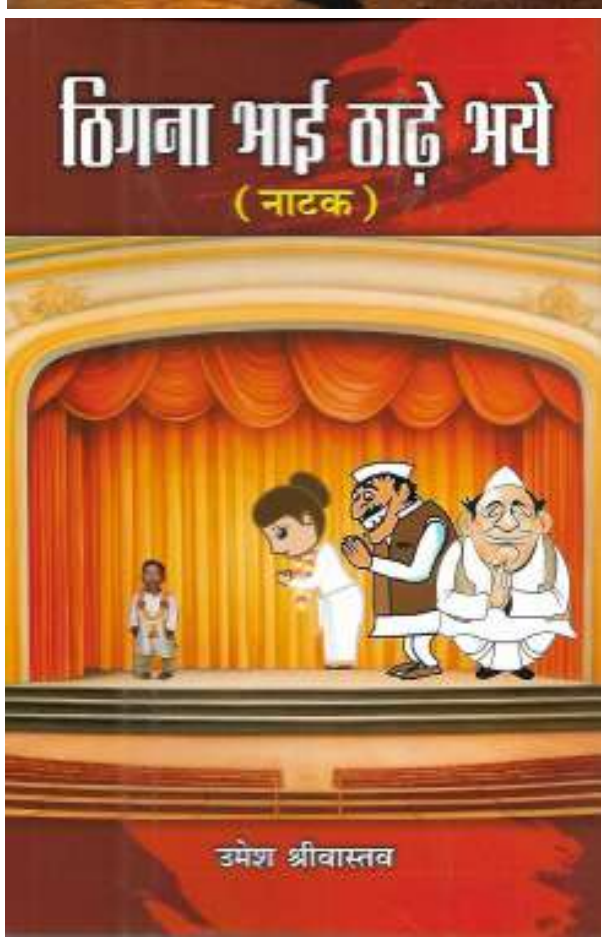

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

एक फोन से जंग रोक दूंगा... ट्रंप यूं ही नहीं बड़े-बड़े दावे कर रहे थे, पुतिन का ये बयान तो ऐसा ही संकेत दे रहा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत में यूक्रेन युद्ध पर समझौता करने के लिए तैयार हैं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चर्चा के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं है लेकिन किसी भी सौदे में वैध यूक्रेनी अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि रूस राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की समेत किसी से भी

बातचीत के लिए तैयार है। अपने वार्षिक प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान राज्य टीवी पर सवालों के जवाब देते हुए, पुतिन ने एक अमेरिकी समाचार चौनल के रिपोर्टर से कहा कि उन्होंने वर्षों से ट्रम्प के साथ बात नहीं की है, लेकिन संघर्ष पर चर्चा करने के लिए उनसे मिलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रूसी सेना अग्रिम मोर्चे पर आगे बढ़ रही है और स्थिति तेजी से बदल रही है। पुतिन ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने माना कि देश में महंगाई 9.3: के उच्च स्तर पर है, लेकिन उन्होंने इसे कम करने के लिए केंद्रीय बैंक के प्रयासों का भी जिक्र किया। रूसी सरकारी मीडिया ने बताया कि आम नागरिकों ने शो से पहले 20 लाख से अधिक सवाल पेश किए थे। पुतिन ने कहा कि वह सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद से अभी तक नहीं मिले हैं, जिन्हें मॉस्को में शरण दी गई है। हालांकि उनकी मुलाकात की योजना है और वह उनसे मिलने पर उस अमेरिकी पत्रकार ऑस्टिन टाइस की स्थिति के बारे में भी पूछेंगे जो 12 साल पहले सीरिया में लापता हो गया था। के बारे में पूछेंगे। उन्होंने कहा कि हम यह सवाल उन लोगों से भी पूछ सकते हैं जो सीरिया में जमीनी स्तर पर स्थिति को नियंत्रित करते हैं।

पाकिस्तान का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के लिए खतरा : व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान अत्याधुनिक मिसाइल तकनीक विकसित कर रहा है जिससे वह अमेरिका सहित दक्षिण एशिया के पार हमला करने में सक्षम हो जाएगा और एक प्रकार से यह बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के लिए खतरा है। 'व्हाइट हाउस' के शीर्ष अधिकारी की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में मदद के आरोप में सरकारी एयरोस्पेस एवं रक्षा एजेंसी 'नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स' समेत चार पाकिस्तानी कंपनियों पर बुधवार को प्रतिबंध लगाया है। प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने यहां

कहा, '' जो बाइडन प्रशासन ने लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियां विकसित करने से रोक लगाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। पिछले साल के दौरान, हमने पाकिस्तान के बैलिस्टिक-मिसाइल कार्यक्रम को समर्थन देने वाली गैर-पाकिस्तानी कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाए थे।'' उन्होंने कहा, ''और कल हमने पाकिस्तान की सरकारी कंपनी 'नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स' के खिलाफ प्रतिबंध जारी किए, जिसके बारे में अमेरिका का मानना घ्है कि यह पाकिस्तान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को विकसित करने और उसे तैयार करने में संलिप्त है। यह पहली बार है जब हमने पाकिस्तान के किसी सरकारी उद्यम पर प्रतिबंध लगाया है।'' अमेरिकी 'थिंक-टैंक' 'कार्नेगी एंडॉमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' में फाइनर ने कहा, ''स्पष्ट कहें तो हम पाकिस्तान पर उसके लंबी दूरी के मिसाइल कार्यक्रम को लेकर दबाव बनाए रखेंगे, साथ ही हम अपनी चिंताओं को दूर करने के लिए कूटनीतिक समाधान की तलाश भी जारी रखेंगे।

श्री श्री रविशंकर पहले विश्व ध्यान दिवस पर संयुक्त राष्ट्र में मुख्य भाषण देंगे

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में प्रथम विश्व ध्यान दिवस के उद्घाटन सत्र के दौरान आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर मुख्य भाषण देंगे। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह वैश्विक ध्यान अभियान के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। अधिकारियों ने कहा कि भारत ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित करने की पहल का नेतृत्व करके वैश्विक कल्याण में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के नेतृत्व में किया गया ।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

इजरायल के खिलाफ उतरे 8 मुस्लिम देश

यरुशलम, एजेंसी। आठ मुस्लिम देशों के ग्रुप डी 8 की इजिप्ट में बड़ी बैठक हो रही है। पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत इस बैठक में तुर्किए और ईरान जैसे देश भी हिस्सा ले रहे हैं। आर्थिक मुद्दों के अलावा इस बैठक में मुस्लिम देश फिलिस्तीन मुद्दे को भी उठाया जा सकता हैं। खासकर सीरियाई तख्तापलट के बाद इजरायल जिस तरह से आक्रमक हुआ है, उसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये देश इजरायल के खिलाफ भी कोई प्रस्ताव ला सकते हैं। विकासशील मुस्लिम देशों के संगठन में पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, नाइजीरिया, इजिप्ट, तुर्किए और ईरान शामिल है। संगठन का पूरा नाम डी8 आर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोरऑपरेशन है। साल 1997 में मुस्लिम देशों की आर्थिक तरक्की के लिए बना ये समूह एक मामले में खास है कि केवल इन्हीं आठ देशों की कुल आबादी सवा अरब है, जो दुनिया की मुस्लिम आबादी के 60 फीसदी जितनी है। इसमें अरब देश जैसे सऊदी अरब, इराक, सीरिया, कतर और यूएई शामिल नहीं हैं। दक्षिण पूर्व एशिया से अफ्रीका तक फैले देशों का पहला एजेंडा आर्थिक बढ़त था। फिर इसमें सोशल मुद्दे भी शामिल होने लगे। इस बार इसमें ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भी हिस्सा ले रहे हैं। ये एक दशक बाद किसी ईरानी लीडर की पहली इजिप्ट यात्रा है। जिसके कई मायने लगाए जा रहे हैं। ईरान और इजिप्ट का रिश्ता आमतौर पर काफी तनाव भरा रहा है। इसकी शुरुआत 70 के दशक में इस्लामिक क्रांति के साथ हो चुकी थी। इजिप्ट जहां विकास की बात करता था। वहीं ईरान कट्टरता की तरफ जा चुका था। ऐसे में दोनों के संबंध बिगड़ते चले गए। बाद में कॉमन मित्र ने दोनों के बीच दोस्ती की कोशिश की। हालांकि तनाव कम नहीं हुए। अब इजरायली आक्रमकता के बीच दोनों देश वापस जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, ये बदलाव पिछले साल भर में आया है। हमास और इजरायल की जंग शुरू होने के बाद इजिप्ट ने भी बीच बचाव की कोशिश की। इसके बाद ईरान और उसके बीच पड़ी गांठ हल्की होती दिखाई दे रही है। ईरान के राष्ट्रपति काहिरा की यात्रा कर रहे हैं जो अपने आप में काफी बड़ी बात मानी जा रही है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि आर्थिक के अलावा इस बैठक में क्षेत्रीय मसलों पर भी चर्चा की जाएगी। काहिरा में विकासशील आठ (डी-8) देशों के 11वें शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के सामाजिक आर्थिक विकास और प्रगति के लिए युवाओं में निवेश करना महत्वपूर्ण था। शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री शहबाज़ ने कहा पाकिस्तान के लिए, युवाओं में निवेश करना और एसएमई (छोटे और मध्यम उद्यमों) का समर्थन करना हमारे सामाजिक आर्थिक विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

बैन हुए पाकिस्तान के परमाणु हथियार, अमेरिका का तगड़ा एक्शन, हिल गए सारे देश!

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान खुद को बांग्लादेश का दोस्त बता रहा है। लेकिन पाकिस्तान को अमेरिका से भी झटका मिल रहा है। पाकिस्तान पर अमेरिका का बड़ा एक्शन हुआ है और उसके मिसाइल प्रोग्राम पर ब्रेक लगा दिया गया है। कर्ज, कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान को अमेरिका ने फिर बड़ा झटका दे दिया है। अमेरिका ने पाकिस्तान का सपना चकनाचूर कर दिया है। अमेरिका ने बैलेस्टिक मिसाइल से जुड़ी पाकिस्तान की चार बड़ी कंपनियों पर बैन लगाया है। बाइडेन के एक्शन से पाकिस्तान अब चौंक गया है। जिन कंपनियों पर अमेरिका ने पाबंदी लगाई है उसमें पाकिस्तान की एनडीसी भी शामिल है जिसने शाहीन मिसाइल को डेवलप किया है। दरअसल, पाकिस्तान की लंबी दूरी की मिसाइल से होने वाले खतरे को देखते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान की चार संस्थाओं पर पाबंदी लगा दी है। पाकिस्तान की रक्षा एजेंसी एनडीसी यानी नेशनल डेवलपमेंट कॉपलैक्स और अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, एफिलिएट्स इंटरनेशनल, रॉकसाइट इंटरप्राइज पर अमेरिका ने बैन लगा दिया है। नेशनल डेवलपमेंट कॉपलैक्स यानी एनडीसी पाकिस्तान की बैलेस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट के लिए खास एजेंसी है। एनडीसी ने शाहीन सीरिज की मिसाइल विकसित की है। एनडीसी का मुख्यालय इस्लामाबाद में है। दरअसल, अमेरिका के निशाने पर खास तौर पर इस्लामाबाद की शाहीन-ष्ष और अबाबिल परमाणु मिसाइलें हैं। इसलिए अमेरिका ने पाकिस्तान की लंबी दूरी के मिसाइल प्रोग्राम के खतरे को देखते हुए बैन लगाया है। अमेरिका के इस फैसले की वजह से पाकिस्तान की इन प्रतिबंधित कंपनियों को अमेरिकी सामान नहीं भेजा जाएगा। इतना ही नहीं। अमेरिका के नागरिक या बिजनेसमैन इन कंपनियों के साथ न तो जुड़ सकेंगे और न ही कारोबार कर सकेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा है कि नेशनल डेवलपमेंट कॉपलैक्स और तीन कंपनियों पर ये प्रतिबंध एक कार्यकारी आदेश के तहत लगाए गए जो सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को और उनके वितरण के साधन को लक्षित करता है। वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी कार्यवाही दुर्भाग्यपूर्ण और पक्षपातपूर्ण है। सैन्य विषमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाएगी जो परमाणु सशस्त्र भारत के साथ ।

विदेशी शोध जहाजों को लेकर श्रीलंका बनाएगा राष्ट्रीय नीति, श्रीलंकाई विदेश मंत्री ने दी जानकारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने शुक्रवार को कहा कि श्रीलंका जल्द ही विदेशी शोध जहाजों की यात्राओं की अनुमति देने पर राष्ट्रीय नीति तैयार करेगा। यह बात चीनी निगरानी जहाजों की लगातार डॉकिंग अनुरोधों के बीच कही गई है, जिससे भारत में चिंताएं बढ़ गई हैं।

राष्ट्रपति दिसानायके की भारत यात्रा के बाद टिप्पणी

विदेश मंत्री विजिता हेराथ की यह टिप्पणी श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की भारत यात्रा के कुछ दिनों बाद आई है। जनवरी में, श्रीलंका ने अपने जलक्षेत्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र में संचालित विदेशी समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान सर्वेक्षण जहाजों पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि भारत और अमेरिका ने उच्च तकनीक वाले चीनी निगरानी जहाजों की लगातार डॉकिंग अनुरोधों के बाद सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं जताई थीं।

प्रतिबंध की उचित समीक्षा होगी- विजिता हेराथ

विदेश मंत्री ने कहा कि अनुसंधान जहाजों की अनुमति देने पर श्रीलंका का प्रतिबंध अभी भी लागू है, जिसकी उचित समीक्षा की जाएगी। वहीं भारत से कोलंबो लौटने पर राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने चीन के एक शीर्ष सरकारी अधिकारी के साथ बैठक की, जिन्होंने चीन की इच्छा व्यक्त की कि चीनी अनुसंधान जहाज कोलंबो में अपनी यात्राएं फिर से शुरू करें। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत ने दिसानायके के भारत प्रवास के दौरान ऐसी यात्राओं पर चिंता जताई थी, हेराथ ने कहा कि भारत की चिंताएं उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों पर आधारित थीं।

भारतीय सुरक्षा चिंताओं पर हमने दिया आश्वासन- हेराथ

हेराथ ने कहा, श्हमने आश्वासन दिया है कि हम अपनी भूमि का उपयोग करके भारतीय सुरक्षा चिंताओं को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई की अनुमति नहीं देंगे। हेराथ ने कहा, यह यात्रा ऐसी यात्रा साबित हुई है, जिसके बाद श्रीलंका के लोगों को कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं।श उन्होंने कहा, इसने संबंधों को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। हेराथ ने कहा कि राष्ट्रपति दिसानायके की यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका ने श्रीलंकाई लोक सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण और दोहरे कराधान को रोकने पर दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के अलावा कोई औपचारिक समझौता नहीं किया। श्रीलंकाई विदेश मंत्री नेकहा, हमने केवल आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते (ईटीसीए) से संबंधित वार्ता को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। किसी भी चीज पर कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है।

नम आंखों से दी गई तबला वादक जाकिर हुसैन को अंतिम विदाई, सैन फ्रांसिस्को में हुए सुपुर्द-ए-खाक

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूरी दुनिया में मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन को गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। दुनिया के सबसे बेहतरीन तबलावादकों में से एक जाकिर हुसैन का सोमवार को सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 73 वर्ष के थे। वे फेफड़ों की बीमारी इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से उत्पन्न जटिलताओं से परेशान थे। प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के पुत्र जाकिर हुसैन का जन्म नौ मार्च 1951 को हुआ था। उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे महान तबला वादकों में से एक माना जाता है। उनके परिवार में उनकी पत्नी एंटोनिया मिनेकोला और उनकी बेटियां अनीशा कुरैशी और इजाबेला कुरैशी हैं। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया है, श्वह दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमियों द्वारा संजोई गई एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक बना रहेगा। छह दशकों के अपने करियर में जाकिर हुसैन ने कई प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया, लेकिन गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन, वायलिन वादक एल शंकर और तालवादक टीएच शविक्कूश विनायक्रम के साथ 1973 में भारतीय शास्त्रीय संगीत और पश्चिमी जैज संगीत के तत्वों के उनके संलयन को काफी सराहा गया। जाकिर हुसैन ने महज सात वर्ष की आयु से ही तबले पर हाथ आजमाना शुरू कर दिया था और आगे चलकर उन्होंने पंडित रविशंकर, अली अकबर खान और शिवकुमार शर्मा जैसे दिग्गजों सहित भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित संगीत कलाकारों के साथ काम किया। यो-यो मा, चार्ल्स लॉयड, बेला फ्लेक, एडगर मेयर, मिकी हार्ट और जॉर्ज हैरिसन जैसे पश्चिमी संगीतकारों के साथ उनके अभूतपूर्व संगीत ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाया। जाकिर हुसैन ने अपने करियर में पांच ग्रैमी पुरस्कार जीते, जिनमें से तीन इस साल की शुरुआत में 66वें ग्रैमी पुरस्कार में मिले थे। भारत के सबसे प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकारों में से एक हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

रोड्स द्वीप पर प्रवासियों को ले जा रही बोट पलटी, आठ की मौत, ग्रीक तटरक्षक बलों ने 18 की बचाई जान

रोड्स द्वीप के पास प्रवासियों को ले जा रही स्पीडबोट पलट गई। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। हालांकि, 18 लोगों को बचा लिया गया है। ग्रीक तट रक्षक बलों ने इसकी जानकारी दी। यह घटना कांगो में लोगों से भरी एक नाव के फिमी नदी में पलट जाने के दो दिन के बाद घटी।

कांगो में दो दिन पहले पलटी थी नाव

बता दें कि कांगो में मंगलवार, 18 दिसंबर को लोगों से खचाखच भरी एक नाव फिमी नदी में पलट गई। हादसे में बच्चों सहित 25 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हो गए। नाव में सामान भी लदा हुआ था और मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। यह घटना कांगो की राजधानी किंशासा से उत्तर-पूर्व में स्थित इनोंगो शहर के पास हुई। अधिकारियों और स्थानीय निवासियों के अनुसार, नाव में 100 से ज्यादा लोग सवार थे। यह हादसा माई-एनडोम्बे प्रांत में इस साल का चौथा हादसा है। यह क्षेत्र नदियों से घिरा हुआ है और यहां के लोग नदी परिवहन पर निर्भर हैं। इससे पहले, अक्तूबर में कांगो के पूर्वी हिस्से में एक अत्यधिक भरी हुई नाव डूबने से करीब 78 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा, जून में भी किंशासा के पास इसी तरह की घटना सामने आई थी, जिसमें करीब 80 लोगों की जान चली गई थी। इस ताजा हादसे के बाद सरकार ने प्रांत में सुरक्षा बढ़ाने और नावों को बचाव उपकरणों से लैस करने का निर्णय लिया है।

ताइवान में निर्माणाधीन इमारत में आग लगने से नौ लोगों की मौत

मध्य ताइवान में एक निर्माणाधीन इमारत में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग जाने से नौ लोगों की मौत हो गई। समाचारों के माध्यम से यह जानकारी मिली। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में ताइचुंग शहर की पांच मंजिला इमारत के एक छोर से धुएं का गुब्बार और आग की लपटें उठती दिखाई दे रही हैं। फिलहाल आग लगने का कारण ज्ञात नहीं हुआ है, लेकिन ताइचुंग सरकार ने कहा कि उस स्थान पर बड़ी मात्रा में 'फोम' के 'पैनल' होने के कारण आग तेजी से फैल गई। ताइवान की मीडिया के अनुसार, तीसरी मंजिल से कूदने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दमकल कर्मियों ने बचाव अभियान के दौरान अन्य पीड़ितों के शव बरामद किए और 19 लोगों को बचा लिया गया।

इस्राइल ने नकारे गाजा में पानी की आपूर्ति रोकने के आरोप, कहा- हम यूनिसेफ के साथ मिलकर काम कर रहे

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा को स्वच्छ पानी न देने के आरोपों पर इस्राइल ने जवाब दिया है। इस्राइल के यूहिदया, सामरिया और गाजा पट्टी क्षेत्र में सरकारी गतिविधियों के समन्वय के लिए जिम्मेदार इकाई सीओजीएटी (ब्ळळ।ज) ने कहा है कि गाजा के लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए इस्राइल यूनिसेफ के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक्स पर पोस्ट में एक वीडियो साझा करते हुए सीओजीएटी ने खान यूनिस में लगा यूनिसेफ का जल अलवणीकरण संयंत्र दिखाया। एक्स पोस्ट में उसने लिखा कि यह यूनिसेफ का खान यूनिस में जल अलवणीकरण संयंत्र है। इस्राइल ने सुविधा के लिए यहां बिजली लाइन की मरम्मत कराई। ताकि यह पूरी क्षमता से काम कर सके और क्षेत्र के निवासियों को पानी उपलब्ध करा सके। पूरी क्षमता से काम करने पर यह संयंत्र प्रतिदिन 20,000 क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध कराता है। सीओजीएटी ने कहा कि हमारा मानवीय मूल्यांकन दल गाजा के सभी क्षेत्रों में मानवीय स्थिति की निगरानी करता है। इसमें पानी भी शामिल है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।